

आजाद सिपाही

अरविंद केजरीवाल को सीबीआइ का नोटिस, शराब नीति केस में कल पूछताछ के लिए बुलाया





GOAL
Educational Services Pvt. Ltd.
Nation's Leading Institute



DHANBAD CENTRE NEET 2022 RESULT & many more...

Test Your Merit in Most Extensive & Renowned All India Level GOAL Test Series.

Separate Batch for ICSE, CBSE and State Board

Classes for All Batches Start From **16th April 2023**

Classroom Programs

2 Years Foundation 2025 11th + 12th Board + NEET/ENGG.	1 Year Fresher Course 2024 12th Board + NEET/ENGG.	1 Year Target 2024 NEET/ENGINEERING	1 Year Achiever Course 2024 NEET/ENGINEERING
---	---	--	---

FACILITIES

- LIBRARY
- HOSTEL
- TRANSPORT
- SEPARATE BATHS FOR BOYS & GIRLS

Memco More, Dhaiya, Dhanbad
9334098595, 9308057050
504, 5th Floor, B.S. Tower, Lalpur, Circular Road, Ranchi - 756490/0041/42/43

लैंड स्कैम में इडी की कार्रवाई : हिरासत में लिये गये अंचलकर्मी सहित सात लोग खोलेंगे राज छवि रंजन से पूछताछ की तैयारी, सब रजिस्ट्रार की टिप्पणी बनी काल

इडी खंगाल रही जब्त कागजात, कोलकाता से जुड़ रहा तार

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने गुरुवार को सेना की 4.55 एकड़ जमीन घोटाले में छापेमारी के बाद बड़गाई के अंचलकर्मी समेत सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इन सातों से अब पूछताछ होगी। इसमें कई राज खुलने की उम्मीद है। इस घोटाले में सबसे अहम नाम आइएएस अधिकारी छवि रंजन का आ रहा है। वह उस वक्त रांची डीसी थे और वर्तमान में समाज कल्याण निदेशक हैं। उनके आवास सहित अन्य ठिकानों पर इडी ने छापेमारी की थी, कई महत्वपूर्ण कागजात मिलने की जानकारी मिल रही है। एक सवाल उठ रहा कि आखिर छवि रंजन तक इडी पहुंची कैसे? इडी को ऐसा क्या हाथ लगा कि छवि रंजन पर दबिश बढ़ी? सूत्रों की मानें तो अब रजिस्ट्रार की सेल डीड पर एक छोटी सी टिप्पणी छवि रंजन के लिए काल बन गयी। यह डीड इडी के हाथ लगी और छवि रंजन जांच के दायरे में आ गये। अब यह तय माना जा रहा है कि जल्द ही छवि रंजन को पूछताछ के लिए बुलाया जायेगा। गुरुवार को 22 जगहों पर हुई थी छापेमारी : गौरतलब है कि इडी ने

सेना जमीन घोटाला मामले में गुरुवार को झारखंड, बिहार और बंगाल में 22 जगहों पर एक साथ छापेमारी की थी। इसमें आइएएस छवि रंजन सहित बड़गाई अंचलकर्मी भानु प्रताप प्रसाद और अन्य जमीन दलाल शामिल थे। भानु प्रताप के घर से बक्शे भर कर जमीन से जुड़े कागजात मिले। सूत्रों की मानें तो इडी को हर जगह से कई अहम जानकारी मिली, जिसके आधार पर अंचलकर्मी सहित सात लोगों को हिरासत में लिया गया।

न्यायिक हिरासत में गये आरोपी : इडी ने रांची स्थित बड़गाई अंचल कर्मचारी भानु प्रताप प्रसाद, रिम्स के कर्मचारी अफसर अली खान, कोलकाता के प्रदीप बागची, इन्तियाज खान, तलहा खान, अयाज खान और मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। आंबेडकर जयंती के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश होने के कारण आरोपियों को जज कॉलोनी स्थित आवासीय कार्यालय में पेश किया गया था। वहां से सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनसे 16 अप्रैल तक इडी पूछताछ कर सकेगी। इसके बाद 17 अप्रैल को फिर कोर्ट में पेश किया जायेगा।

जमीन घोटाले में किसकी क्या है भूमिका : सूत्रों के मुताबिक भानु प्रताप प्रसाद लैंड स्कैम का मुख्य सूत्रधार बताया जा रहा है। इस



मामले में फर्जी कागजात बनाने वाला अफसर अली खान मुख्य व्यक्ति है। इसके अलावा अन्य लोग जमीन दलाली में शामिल रहे हैं। सूत्रों की मानें तो आइएएस छवि रंजन का अफसर अली खान के साथ गहरा रिश्ता था। जमीन फर्जीवाड़ा में उनकी भी भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है।

मौखिक आदेश को सब रजिस्ट्रार ने लिखित लाया

तत्कालीन डीसी छवि रंजन ने प्रदीप बागची नामक व्यक्ति द्वारा दिये गये आवेदन को आधार बनाते हुए बड़गाई सीओ मनोज कुमार को सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन से संबंधित जांच रिपोर्ट मांगी थी। सीओ ने इसके लिए बड़गाई सीआई भानु प्रताप प्रसाद को कोलकाता स्थित रजिस्ट्रार ऑफिस में दर्ज दस्तावेज की जांच करके रिपोर्ट देने को कहा। सीआई ने 22 सितंबर 2021 को सीओ को अपनी रिपोर्ट सौंपी। सीओ ने भानु प्रताप को

आधार बनाते हुए 25 सितंबर 2021 को डीसी को रिपोर्ट भेजी। इसमें कहा कि प्रदीप बागची के पिता प्रफुल्ल बागची ने सेल डीड के माध्यम से 1932 में उक्त जमीन की खरीदारी की थी। इसलिए प्रदीप बागची का प्रथम दावा बनता है। इसके बाद छवि रंजन ने मौखिक रूप से तत्कालीन सब रजिस्ट्रार घासीराम पिंगुवा को उस जमीन की रजिस्ट्री कोलकाता के जगतबंधु टी इस्टेट प्रा. लि. के निदेशक दिलीप कुमार घोष के नाम करने का निर्देश दिया। सब रजिस्ट्रार ने खुद को बचाने के लिए निबंधन के दौरान सेल डीड पर लिख दिया कि उपयुक्त सह जिला दंडाधिकारी को संबंधित अंचल अधिकारी बड़गाई, रांची के ज्ञापक 847, दिनांक 25 सितंबर 2021 के आलोक में निबंधन की स्वीकृति दी जाती है। यही टिप्पणी इडी के छवि रंजन, सीओ-सीआई और जमीन दलालों तक पहुंचने का कारण बनी।

कोलकाता से होता था फर्जी जमीन का खेल : सूत्रों की मानें तो कोलकाता से जमीन के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर रांची में अरबों की जमीन की खरीद बिक्री में गड़बड़ी और उससे मनी लार्डीइंग के साक्ष्य इडी को मिले हैं। अधिकतर कागजात कोलकाता से बनवाये जाते थे। अंचलकर्मी के यहां से कोलकाता रजिस्ट्री ऑफिस के दो फर्जी स्टॉप मिले। वहीं, इस मामले में गिरफ्तार प्रदीप

बागची द्वारा पेश दस्तावेज में बताया गया है कि 4.55 एकड़ जमीन को उसके पिता ने 1932 में खरीदी थी और इसकी रजिस्ट्री कोलकाता में हुई थी। इस दस्तावेज में राज्य का उल्लेख पश्चिम बंगाल के रूप में है, जबकि 1932 में राज्य का नाम बंगाल था। पश्चिम बंगाल 1947 में अस्तित्व में आया। इसी तरह दस्तावेज में कई जगहों पर गवाहों, विक्रेता और क्रेता के पते के साथ पिन कोड का उल्लेख किया गया है। उस समय पिन कोड का अस्तित्व ही नहीं था। पोस्टल इंडेक्स नंबर (पिन) की शुरुआत 15 अगस्त, 1972 को हुई थी। दस्तावेज में एक गवाह का स्थायी पता भोजपुर जिला बताया गया है, जबकि बिहार के इस जिले की स्थापना 1972 में हुई। ये तमाम बातें कोलकाता से लिंक जुड़ने की पुष्टि कर रही हैं।

जमीन घोटालों की जमीनी तह तक जाये इडी : बंधु

पारदर्शिता के साथ और राजनीतिक पूर्वाग्रह के बिना की जाये कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। पूर्व मंत्री, झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य और झारखंड प्रदेश के सदस्य और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिकी ने कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने झारखंड के सबसे ज्वलंत जमीनी मुद्दे यानी जमीन घोटाले की जांच में अपना हाथ डाला है। उसे जमीनी स्तर पर त्वरित कार्रवाई करने के साथ-साथ दोषियों और इससे जुड़े अपराधी तत्वों को जल्द से जल्द पकड़ना चाहिए। तिकी ने कहा कि



इडी को बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के पूरी पारदर्शिता के साथ अपनी जांच-पड़ताल करनी चाहिए।

बंधु तिकी ने कहा कि झारखंड गठन के बाद इस प्रदेश में सबसे ज्यादा जमीन घोटाले ही हुए हैं। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा

झारखंड के आदिवासियों और मूलवासियों को ही भुगतना पड़ा है। उन्होंने कहा कि यदि जमीन के मामले में हुए सभी घोटालों की तह तक जाया जाये तो अनेक सफेदपोशों पर उसकी छाया पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट) के उल्लंघन के मामलों में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और सभी दोषियों को पकड़ा जाना चाहिए। चाहे वह किसी भी पद पर बैठे हुए हों। कांग्रेस नेता ने भरोसा जताया कि जमीन के मामले में इडी की कार्रवाई पूरी तरीके से निष्पक्षता के साथ होगी। उसका सकारात्मक परिणाम भी जल्द ही नजर आयेगा।

भाजपा नेता 22 को धुर्वा थाने में हाजिर हों

प्रदेश अध्यक्ष और तीन पूर्व मुख्यमंत्री सहित 41 को नोटिस

भाजपा का सचिवालय घेराव का मामला

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। प्रदेश भाजपा नेताओं की ओर से 11 अप्रैल को सचिवालय घेरो प्रदर्शन के मामले में स्थानीय धुर्वा थाना पुलिस ने शुक्रवार को तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के अलावा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद दीपक प्रकाश सहित 41 लोगों को नोटिस जारी किया है। पुलिस ने 22 अप्रैल को थाना पर तलब किया है।

इन लोगों को बनाया गया है आरोपी

धुर्वा थाने में दर्ज प्राथमिकी में नामजद भाजपा नेताओं में सांसद संजय सेठ, सुनील कुमार सिंह, समीर उरांव, निशिकंठ दुबे, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, विधायक अमित मंडल, विधायक विरंची नारायण, श्यामनंदन ओझा, आरती कुंजूर, अमित कुमार, प्रदीप मुखर्जी, विकास कुमार पांडेय, शत्रुघ्न सिंह, दिलीप कुमार सिंह, अनीता सोरेन, कुमकुम देवी, मुनचुन राय, कामेश्वर सिंह, उमेश यादव, अमित भैया उर्फ अमित कुमार, वीरेंद्र यादव, कमलेश राम, ललित ओझा, नीलम चौधरी, केके गुप्ता, साधु मांडी, कुलवंत सिंह बंटी, विमल मरांडी, अशोक कुमार, आनंद यादव, रमेश सिंह, त्रिलोचन कुमार पासवान, रमेश नाथ तिवारी, संजु पांडेय, संजीव कुमार सिंह, अमरनाथ कुमार सिंह, ब्रजकान्त केसरी, दीपक बड़ाइक और गुंजन यादव के नाम शामिल हैं। अज्ञात हजार लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।

दरअसल, भाजपा के 11 अप्रैल को सचिवालय घेराव कार्यक्रम के दौरान धुर्वा गोल चक्कर रण क्षेत्र में तब्दील हो गया था। इस दौरान पानी की बातलें, पत्थरबाजी, लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़े गये थे। इस घटना को लेकर धुर्वा थाने में

कार्यपालक दंडाधिकारी उपेन्द्र कुमार के बयान पर 41 लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। नामजद लोगों में तीन पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास और सांसद दीपक प्रकाश, संजय सेठ का नाम शामिल है। इन लोगों पर उपद्रव करने, दंगा भड़काने, सरकार के निर्देशों का उल्लंघन करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने, अपराध के लिए उकसाने और दूसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। इस नोटिस में दीपक प्रकाश से सचिवालय घेराव मामले में पूछताछ की जानी है। पुलिस ने दीपक प्रकाश को 22 अप्रैल को 11 बजे थाने पहुंचने को कहा है।

नॉर्थ-ईस्ट को मिला पहला एम्स, प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन दशकों राज करनेवाले कहते हैं क्रेडिट नहीं मिला : मोदी

गुवाहाटी से हुआ 14,300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता
गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को असम के प्रसिद्ध बिहू फेस्टिवल के मौके पर गुवाहाटी पहुंचे। यहां उन्होंने कुल 14,300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। सबसे पहले उन्होंने गुवाहाटी में एम्स का उद्घाटन किया। इसके अलावा नलबाड़ी, नागांव और



कोकराझार में तीन मेडिकल कॉलेजों का चर्चुअली उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि आजकल एक नयी बीमारी देखने को मिल रही है। वे शिकायत करते हैं कि दशकों तक

उन्होंने भी देश पर राज किया है, लेकिन उन्हें क्रेडिट क्यों नहीं मिला। क्रेडिट के भूखे लोगों और जनता पर राज करने की भावना ने देश का बहुत अहित किया है। वे क्रेडिट के भूखे थे और इसलिए

पूर्वोत्तर उनके लिए बहुत दूर था। हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को आज एक नयी ताकत मिली : प्रधानमंत्री ने कहा कि आप सभी को विहू पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। इस पावन अवसर पर असम के, नॉर्थ-ईस्ट के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को आज एक नयी ताकत मिली है। आज नॉर्थ-ईस्ट को अपना पहला एम्स मिला है और असम को तीन नये मेडिकल कॉलेज मिले हैं। हम आपके सेवक होने की भावना से काम करते हैं, इसलिए नॉर्थ ईस्ट हमें दूर भी नहीं लगता और अपनेपन का भाव बना रहता है।

RPM DIALYSIS CENTRE

2 के वर्ष

CKD/ESRD बोझ को कम करने का सबसे अच्छा तरीका है रोग की रोकथाम

गुर्दे आपके शरीर का सबसे अधिक काम करने वाला अंग है

दुनिया भर में 850 मिलियन लोग किडनी की बीमारी से ग्रसित हैं।

10 में से 1 व्यक्ति

10 में से 9 लोग अपनी किडनी की बीमारी से अनजान हैं।

दुनिया भर में 2.6 मिलियन लोगों ने डायलिसिस या किडनी प्रत्यारोपण प्राप्त किया।

किडनी आपको कैसे स्वस्थ रखती है

- अम्ल और छार का संतुलन
- खून का शुद्धिकरण
- पानी का संतुलन करना
- हड्डियों की मजबूती
- रक्तचाप नियंत्रण
- रक्त कोशिकाओं का उत्पादन

गुर्दे की बीमारी के कारण होने वाली समस्याएं

- तंत्रिकाओं को नुकसान
- हृदय रोग
- कमजोर हड्डियां
- मस्तिष्क आघात
- उच्च रक्तचाप
- खून की कमी

किडनी की बीमारी के लक्षण

- बेहरे और पैरों की सूजन
- सांस की तकलीफ
- जो मिवलाना और उल्टी
- उच्च रक्तचाप
- थकान और कमजोरी
- पेशाब की समस्या

क्रोनिक किडनी फेल्योर के मुख्य कारण

- मधुमेह
- उच्च रक्तचाप
- आनुवंशिक रोग
- क्रोनिक ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस
- पथरी रोग
- दवाओं के सेवन का लंबा इतिहास

जानिए डायलिसिस क्या है?

डायलिसिस एक कृत्रिम प्रक्रिया है, जो क्षतिग्रस्त किडनी के कार्यों को पूर्ण करता है। किडनी काम करने के कारण शरीर में जमा होने वाले अनावश्यक पदार्थों, पानी, क्षार एवं अम्ल को कृत्रिम विधि से दूर करने को डायलिसिस कहते हैं।

सही समय पर डायलिसिस

करना आपके जीवन की गुणवत्ता बढ़ता है।

क्रोनिक किडनी रोग महीनों या वर्षों की अवधि में गुर्दा कि प्रगतिशील हानि है, 2024 तक गुर्दे की बीमारी मृत्यु का 5वां प्रमुख कारण होने का अनुमान है।

डॉ. अविनाश कुमार दुबे

MBBS, MD, DM Nephrology (JIPMER)
Senior Consultant Nephrology
Raj Hospitals, Ranchi

नेफ्रो केयर क्लीनिक

ओकारं होटल के सामने, पिस्का गोड़, रांची

मो. 81021 39781

कुछ राज्यों में क्यों थम जाते हैं भाजपा के विजय रथ के पहिये!

■ कर्नाटक की स्थिति और मध्यप्रदेश की संभावनाएं कर रहीं सवाल

■ यूपी-उत्तराखंड और असम से क्यों नहीं सीखते भाजपा के राज्य स्तरीय नेता

दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी अगले महीने कर्नाटक में होनेवाले विधानसभा चुनाव की संभावित स्थिति को लेकर परेशान है। तमाम सर्वेक्षण और जमीनी स्थिति सत्ता में भाजपा की वापसी की संभावनाओं को खारिज कर रहे हैं। इसके बाद इस साल के अंत में मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें से मध्यप्रदेश में ही भाजपा की सरकार है। वहां भी भाजपा के लिए स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, क्योंकि गृह मंत्री अमित शाह पिछले महीने वहां गये थे और उन्होंने नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं से इनकार नहीं किया था। कर्नाटक की स्थिति और

मध्यप्रदेश की संभावनाओं की पृष्ठभूमि में यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि आखिर भाजपा के विजय रथ के पहिये कुछ राज्यों में आकर थम क्यों जाते हैं। किन कारणों से भाजपा राज्यों में कमजोर हो रही है। साल 2014 में सत्ता में आने से पहले भाजपा सिर्फ सात राज्यों में सत्ता संभाल रही थी, लेकिन मार्च 2018

आजाद सिपाही विशेष

सत्ता में है, जबकि महाराष्ट्र में वह सरकार में सहयोगी की भूमिका में है। राज्यों में भाजपा का विजय रथ 2018 से रुकना शुरू हुआ।

इसका मुख्य कारण यह है कि पार्टी पीएम नरेंद्र मोदी के जादू पर पूरी तरह निर्भर हो गयी। राज्यों के नेताओं को लगा कि जब तक मोदी हैं, उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। यूपी, उत्तराखंड और असम जैसे राज्यों में भाजपा सरकारों ने मोदी की छत्रछाया में काम किया, तो उसका नतीजा अच्छा रहा, लेकिन बाकी राज्यों में पार्टी नेताओं ने इन राज्यों से कुछ नहीं सीखा। अब कर्नाटक और मध्यप्रदेश की चुनौती सामने है और भाजपा के लिए 2024 से पहले इस कमजोरी पर ध्यान देना जरूरी हो गया है। भाजपा की इसी कमजोरी का आकलन कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

लिए कितनी तैयार है, यह भी अहम सवाल है। इस सियासी माहौल में यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि आखिर 2024 में लगातार तीसरी बार देश की सत्ता में वापस आने के लिए तैयार भाजपा का विजय रथ कुछ राज्यों में क्यों रुक जाता है। आखिर वे कौन से कारण हैं, जो कुछ राज्यों में भाजपा के विजय रथ के पहिये पर ब्रेक लगा देते हैं। इन सवालों के जवाब जानने से पहले राजनीतिक स्थिति पर नजर दौड़ानी होगी।

वया थी देश की सियासी तस्वीर

2018 और 2022 के बीच चार साल की अवधि में देश के 30 राज्यों में चुनाव हुए, यानी हर भारतीय राज्य में चुनाव हुआ (दिल्ली और पुडुचेरी में भी, क्योंकि वहां मुख्यमंत्री हैं)। हर चुनाव में भाजपा एक महत्वाकांक्षी 'मिशन' नंबर लेकर आती है। यदि राज्य विधानसभा में एक सौ सीटें हैं, तो भाजपा चुनाव अभियान के दौरान 'मिशन 65+' या कुछ ऐसी ही संख्या की घोषणा करती है, जो यह संकेत देती है कि चुनाव में वह सभी का सुपड़ा साफ कर देगी। लेकिन भारतीय राजनीति में भाजपा के प्रभुत्व को देखते हुए यह सवाल बेहद अहम हो गया लगता है कि इन 30 राज्यों के चुनावों में से कितने चुनाव भाजपा ने पूर्व या बाद के सहयोगियों के बिना अपने स्वयं के स्पष्ट बहुमत या बलबूते पर जीते? इनमें से कितने राज्यों में ये महत्वाकांक्षी



'मिशन' सफल हुए? आंकड़ों के अनुसार पांच वर्षों में इन 30 में से भाजपा ने केवल सात राज्यों में अपने बूते पर जीत हासिल की। इनमें उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, मणिपुर, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और गोवा शामिल हैं। इस सूची पर नजर दौड़ाने से साफ हो जाता है कि इन सात में से केवल दो बड़े राज्य हैं, जिनके पास संसद के निचले सदन लोकसभा में पर्याप्त सीटें हैं। इन पांच सालों में जहां भाजपा गठबंधन के साथ जीता या चुनाव के तुरंत बाद गठबंधन बनाया, वह एक बड़ी संख्या होनी चाहिए।

लेकिन ऐसे केवल नौ राज्य हैं और उनमें से अधिकांश छोटे उत्तर पूर्वी राज्य हैं। उत्तर-पूर्व को वैसे भी केंद्र के साथ चलने की आदत है। ये नौ राज्य हैं हरियाणा, असम, सिक्किम, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पुडुचेरी, बिहार और महाराष्ट्र। बिहार में भाजपा की सहयोगी पार्टी जदयू ने उसे छोड़ दिया है और महाराष्ट्र में सहयोगी शिवसेना ने चुनाव के बाद उसे छोड़ दिया था, हालांकि बाद में भाजपा ने शिवसेना के बागी गुट, जिसे अब असली शिवसेना की मान्यता मिल गयी है, के साथ मिल कर सरकार बना

ली। मध्यप्रदेश और कर्नाटक में भाजपा ने राजनीतिक दांव-पेंच की मदद से सरकार बनायी। इसके विपरीत विपक्ष ने ओड़िशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, पंजाब, झारखंड, आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, दिल्ली और हाल ही में हिमाचल प्रदेश जीता। इन 13 राज्यों में से झारखंड को छोड़ कर एकदलीय बहुमत है, जिनमें से अधिकांश बड़े राज्य हैं।

राज्यों का भारत

राज्यों के माध्यम से भारतीय राजनीति को देखते हुए भाजपा

एक भी पार्टी एकजुट होने की बात नहीं करती। लेकिन यहां सबक लेने वाली यह बात है कि विपक्षी मुख्यमंत्रियों को और अधिक एकजुट होने और नीतिगत मुद्दों पर दबाव डालने से रोकने की जरूरत है। कई मामलों में केंद्र और राज्यों के बीच तनाव भारतीय संघवाद के लिए सही नहीं है।

भाजपा की कमजोरी के कारण

यूपी, असम और गुजरात छोड़ कर अन्य राज्यों के चुनावों को एकतरफा बनाने में भाजपा क्यों सफल नहीं हो पा रही है। अगर आंकड़ों पर गौर करें, तो साल 2014 में जब भाजपा बहुमत के साथ सत्ता में आयी थी, तो उसी के साथ राज्यों में भी उसने बेहतर प्रदर्शन किया था। इसकी एक बड़ी वजह यह मानी जा सकती है कि लोकसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा पूरे देश का माहौल बदलने में कामयाब रही थी। मोदी के करिश्माई व्यक्तित्व ने इसमें बड़ी भूमिका अदा की थी। फिर साल 2019 के आम चुनावों में पार्टी और ज्यादा सीटों के साथ सत्ता में आयी, लेकिन इन चुनावों के महज छह महीने के बाद जो विधानसभा चुनाव हुए, उसमें पार्टी पहले जैसा प्रदर्शन करने में नाकामयाब रही। इसके पीछे कारण यही रहा कि राज्यों में भी पार्टी मोदी के जादुई व्यक्तित्व को धुनाने में लग गयी। इसका परिणाम यह हुआ कि पार्टी में दूसरी पंक्ति के नेताओं का अभाव होने लगा। योगी आदित्यनाथ, पुष्कर सिंह

धामी और हिमंत बिस्वा सरमा को छोड़ भाजपा का कोई भी मुख्यमंत्री इस स्थिति में नहीं रह गया कि राज्य के लोगों को अपनी उपलब्धि बता सके। भाजपा को समझना होगा कि अब मतदाता देश और राज्य के आधार पर अलग-अलग सोच कर वोट करता है। वह वोट करने से पहले सोचता है कि वह राज्य की सरकार चुन रहा है या फिर केंद्र की सरकार। अगर इस बात को और बेहतर तरीके से समझना है, तो साल 2019 में ओड़िशा में हुए चुनाव को ही उदाहरण मान लें। एक ही दिन विधानसभा के भी चुनाव हुए और उसी दिन लोकसभा के भी, लेकिन जनता ने राज्य सरकार के लिए बीजू जनता दल को चुना और केंद्र में सत्ता के लिए भाजपा को।

इसलिए अब भाजपा को सोचना होगा कि कर्नाटक में आसन चुनाव और बाद में हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में होनेवाले चुनाव के दौरान उसकी रणनीति क्या होनी चाहिए। पार्टी हर चुनाव में यदि मोदी के करिश्माई व्यक्तित्व को ही सामने रखेगी, तो फिर लोग उसमें दाग भी खोजने लगेंगे और तब भाजपा को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। भाजपा आलाकमान को भी राज्यों में नेतृत्वकर्ता के रूप में ऐसे नेताओं को आगे लाना होगा, जिसकी राज्य में अपनी भी कुछ साख हो। वह राज्य के लोगों में अपनी विश्वसनीयता रखता हो। सत्ता के दौरान उसके कामकाज पर भी पार्टी आलाकमान को नजर रखनी होगी।

प्रदीप बागची ने 20 करोड़ की जमीन बेची मात्र सात करोड़ में सेना की कब्जेवाली 4.55 एकड़ जमीन का किया था सौदा

महज 25 लाख रुपये ही ट्रांसफर हुए थे बागची के खाते में

बाकी रकम का गुप्तता पैक से कराने की बात रजिस्ट्री डीड में कही गयी थी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने पाया है कि सेना के कब्जे वाली जमीन प्रदीप बागची ने जगतबंधु टी इस्टेट के निदेशक दिलीप घोष के हाथों बेची थी, उसकी बाजार में कीमत 20 करोड़ 75 लाख 84 हजार दो सौ रुपये थी। इतनी

वेशायर होम रोड में एक एकड़ जमीन विष्णु अग्रवाल ने ली

आवेदन के अनुसार, जांच के दौरान पाया गया कि गाड़ी मॉजा के वेशायर होम रोड में एक एकड़ जमीन को विष्णु अग्रवाल ने अन्य लोगों के सहयोग से फर्जी दस्तावेज के आधार पर ली। इन दोनों जमीन सौदों को पूरा करने के लिए बड़गाई सीओ कार्यालय और कोलकाता रजिस्ट्री कार्यालय के दस्तावेजों में हेराफेरी की गयी।

कई दस्तावेज और आपतिजनक सामान बरामद

इडी ने कहा है कि छापामारी के दौरान गिरफ्तार लोगों के पास से संपत्ति से संबंधित कई दस्तावेज और अन्य आपतिजनक सामग्री बरामद की गयी है। इनमें फर्जी मुहर, दस्तावेज, पुराने स्टॉप पेपर और इलेक्ट्रॉनिक गजट शामिल हैं। इडी ने कहा है कि इस पूरे अपराध में आरोपियों की सलिपता के पर्याप्त सबूत हैं और उनसे पूछताछ जरूरी है, ताकि पूरे मामले पर से पर्दा हटाया जा सके। इसलिए इन्हें कम से कम पांच दिन की हिरासत में दिया जाये।

कीमती जमीन का सौदा महज सात करोड़ रुपये में किया गया। इडी द्वारा गिरफ्तार प्रदीप बागची समेत सात आरोपियों की हिरासत के लिए अदालत में दिये गये आवेदन में यह बात कही गयी है। इडी ने कहा है कि इस सौदे के एवज में प्रदीप बागची के खाते में 25 लाख रुपये ट्रांसफर किये गये। रजिस्ट्री डीड (संख्या 6888, वर्ष 2021) के अनुसार बाकी रकम का भुगतान चेक के माध्यम से किया गया। जांच में चेक से भुगतान की बात भी गलत साबित हुई।

इंजीनियर वीरेंद्र राम के रिश्तेदार आलोक रंजन को भेजा गया जेल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेल में बंद पूर्व चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के रिश्तेदार आलोक रंजन से पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इडी ने कोर्ट के आदेश के बाद आलोक रंजन से एक दिन की पूछताछ की। इस पूछताछ में आलोक रंजन ने कई अहम खुलासे किये हैं। शुक्रवार सुबह



इडी की टीम उसे लेकर पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश पीके मिश्रा के समक्ष पहुंची, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में

होटवार स्थित बिरसा मुंडा कारागार भेज दिया गया। इससे पहले इडी ने उसका मेडिकल कराया। बता दें कि इडी ने गत मंगलवार देर शाम उसे गिरफ्तार किया था। इससे पहले इडी ने बीते 22 फरवरी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में इंजीनियर वीरेंद्र राम को गिरफ्तार किया था।

बंगाल में हमें 35 सीटें जितायें, 2025 से पहले गिर जायेगी ममता सरकार: अमित शाह

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को बंगाल पहुंचे। वीरभूम में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए ममता सरकार व तृणमूल कांग्रेस पर करारा हमला बोला।

लोगों से अगले लोकसभा चुनाव में बंगाल की 42 में से 35 सीटें जिताने की अपील करते हुए कहा कि ऐसा होने पर 2025 से पहले ही ममता सरकार गिर जायेगी। ममता बनर्जी पर हिटलर जैसा शासन चलाने का आरोप लगाते हुए शाह ने कहा कि भाजपा हिटलरशाही नहीं चलाने देगी। इस

वीरभूम की सभा से गृह मंत्री ने तृणमूल को खिलाफ गरी हूंदार-कहा- भाजपा आयी तो रामनवमी के जुलूस पर नहीं होंगे हमले



साल के अपने पहले बंगाल दौरे में वीरभूम जिले के सिउडी में रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि ममता दीदी जनता के लिए काम नहीं करतीं, उनका एकमात्र लक्ष्य अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना है। लेकिन, मैं गारंटी देता हूँ कि उनका यह सपना ही रह जायेगा, बंगाल का अगला सीएम भाजपा का ही होगा। केवल भाजपा ही भ्रष्ट टीएमसी से लड़

को लेकर घेरते हुए शाह ने कहा कि तृणमूल की तुष्टीकरण की राजनीति के कारण शोभायात्राओं पर हमले की ये हिम्मत बढ़ी है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि आप 2024 के चुनाव में मोदी जी को 35 सीटें देकर फिर से भाजपा की सरकार बना दें, बंगाल में रामनवमी जुलूस पर हमला करने की कोई हिम्मत नहीं करेगा। साथ ही ममता सरकार 2025 से आगे नहीं टिक पायेगी। भाजपा ने बंगाल में 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 सीटें जीती थी। बंगाल में नियुक्तियों में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है। मंत्री के घर से बरामद पैसा टर्कों में ले जाया गया।

झारखंड के चार जिलों में प्रतिबंधित माओवादी नक्सली संगठन का बंद आज से, पुलिस चौकस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन ने पश्चिमी झारखंड और दक्षिणी बिहार में दो दिवसीय बंद का आह्वान किया है। शुक्रवार बंद का पहला दिन था। नक्सली संगठन के बंद के मद्देनजर पुलिस सतर्क है। झारखंड के चतरा जिले के लावालाँग थाना स्थित ग्रहे जंगल में हुई मुठभेड़ में पांच नक्सलियों के मारे जाने के विरोध में बंद का

एलान किया गया है। बंद से आवश्यक वस्तुओं, संस्थानों जैसे प्रेस, दूध और एंबुलेंस को मुक्त रखा गया है। पश्चिमी झारखंड में चतरा, लोहरदगा, लातेहार और गुमला जिले आते हैं। पुलिस मुख्यालय ने इन जिलों की पुलिस को अलर्ट किया है। दक्षिणी बिहार के गया, औरंगाबाद, नवादा, जमुई, बांका और मुंगेर जिलों में इस संगठन का प्रभाव है। इस संबंध में गया के रौशनगंज थाना

पीएलएफआइ के एरिया कमांडर के घर पुलिस ने चिपकाया इशतहार

पश्चिम सिंहभूम (झारखंड)। जिले के सर्वाधिक नक्सल प्रभावित क्षेत्र में दहशत का पर्याय बन चुके प्रतिबंधित पीएलएफआइ के एरिया कमांडर लंबू उर्फ राडुंग बोदरा उर्फ टीरा बोदरा के घर जिकिलता में बंदगांव पुलिस ने इशतहार चिपकाया है। बंदगांव थाना प्रभारी मनोज कुमार ने उसके परिवार के सदस्यों से अपील की है कि लंबू का आत्मसमर्पण करायें। उन्होंने ग्रामीणों से अपाह किया है कि अगर नक्सली आते हैं, तो उसकी सूचना पुलिस को दें।

क्षेत्र में बिहार-झारखंड रोजनल कमेटी ने एक पर्चा चिपकाया था।



सांसद सांस्कृतिक महोत्सव को लेकर है जबरदस्त उत्साह, 25 तक जमा होंगे फॉर्म पहली बार रांची में दिखेगा भारतीय संस्कृति की 10 विधाओं का संगम

32 जनजातियों की 32 प्रकार की नृत्य शैली का प्रस्तुतिकरण होगा अब तक 1100 से अधिक लोगों ने जमा किये फॉर्म

उद्घाटन और समापन समारोह में आर्यो के कई केंद्रीय मंत्री महोत्सव पर है पूरे देश की नजर



शुक्रवार को रांची के लालपुर स्थित होटल सिटी पैलेस में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सांसद सांस्कृतिक महोत्सव की तैयारियों की जानकारी साझा कर रहे थे। इस अवसर पर पंचश्री मुकुंद नायक, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू प्रमुख रूप से मौजूद थे। श्री सेठ ने कहा कि बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने इस महोत्सव में रुचि दिखायी है। रांची लोकसभा क्षेत्र स्तरीय इस महोत्सव में रांची, हटिया, सिल्ली,

खिजरी, ईचागढ़ और कांके विधानसभा क्षेत्र से प्रतिभागी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि नवोदित कलाकार और प्रतिभागियों की उत्सुकता और उत्साह को देखते हुए प्रविष्टि की अंतिम तिथि को बढ़ा कर 25 अप्रैल कर दिया गया है। अभी तक कुल 1100 से अधिक लोगों ने महोत्सव में भाग लेने के लिए आवेदन दिया है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में उद्घाटन में केंद्रीय संस्कृति मंत्री अर्जुन राम

मेघवाल, केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा मौजूद रहेंगे। वहीं दूसरे दिन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और रघुवर दास की उपस्थिति कार्यक्रम में रहेगी। महोत्सव के समापन के अवसर पर मुख्य रूप से केंद्रीय सूचना प्रसारण, युवा और खेलकूद मंत्री अनुराग ठाकुर और केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी मौजूद रहेंगे। श्री सेठ ने कहा कि सांस्कृतिक महोत्सव में 10

विधाओं की प्रतियोगिता होगी, इसमें नवोदित कलाकार अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही प्रतियोगिता के अलावे प्रतिदिन शाम में झारखंड के प्रमुख कलाकारों के द्वारा प्रस्तुति भी दी जायेगी। पंचश्री मुकुंद नायक ने इस कार्यक्रम को अनूठा स्वरूप बताया और कहा कि यह पहला मौका है, जब कला और कलाकारों के प्रति किसी सांसद ने प्रेम दिखाया है, अपनी रुचि दिखायी है। उन्होंने कहा कि महोत्सव झारखंड के लिए ऐतिहासिक महोत्सव होगा। पूर्व सांसद राज्यसभा अजय मारू ने महोत्सव की तैयारियों और अन्य विषयों की जानकारी दी। लगभग 1000 से अधिक पुरस्कार प्रतिभागियों को दिये जायेंगे। इस महोत्सव पर पूरे देश की नजर है। यह महोत्सव सिर्फ रांची लोकसभा क्षेत्र का महोत्सव न होकर पूरे देश का महोत्सव बने, राष्ट्रीय पटल पर अमिट छाप बनावे, इस दिशा में हम और हमारी पूरी टीम काम कर रही है।

डॉ भीमराव आंबेडकर को सीएम और राज्यपाल ने श्रद्धांजलि अर्पित की



आजाद सिपाही संवाददाता रांची। बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती पर शुक्रवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने डोरंडा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर राज्यपाल ने कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर भारत के महानतम सपूतों में से एक थे। समाज और राष्ट्रहित में उनका योगदान अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा

समाज और राष्ट्रहित में डॉ भीमराव आंबेडकर का योगदान अविस्मरणीय: राज्यपाल साहेब मजबूत इरादों के शिखर तक थे। वह एक महान शिक्षाविद, विधिवेत्ता और समाज सुधारक थे। उन्होंने देश को एक ऐसा संविधान दिया, जो सभी वर्ग और तबकों को सम्मान देता है। उनका व्यक्तित्व और विचार हर किसी के लिए अनुकरणीय है। राज्यपाल ने राज भवन में भी

बाबा साहेब का विचार हर किसी के लिए अनुकरणीय: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। मौके पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ नितिन मदन कुलकर्णी समेत राजभवन के अन्य पदाधिकारियों और कर्मियों ने भी उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कई मायनों में विशिष्ट होगा सांसद सांस्कृतिक महोत्सव 2023

सांसद संजय सेठ के नेतृत्व में जोर-शोर से चल रही तैयारियां पहली बार भारी पैमाने पर लोक कलाकारों का होगा जुटान, प्रतियोगिताएं होंगी



प्रतियोगिता, थीम आधारित कोरियोग्राफी प्रतियोगिता, गायन (एकल और समूह), माइम प्रतियोगिता, मुर्काभिनय, लघु नाटिका आदि शामिल हैं। ये प्रतियोगिताएं महोत्सव के उद्घाटन और समापन समारोह से पहले और अंतिम दिन क्रमशः आयोजित की जायेंगी। दोनों समारोह में झारखंड के युवा और

नामी कलाकार प्रस्तुति देंगे। उद्घाटन और समापन समारोहों में विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है, जिससे प्रतिभागियों को प्रोत्साहन मिले और रांची लोकसभा क्षेत्र में एक सकारात्मक और कलात्मक माहौल बने। सांसद संजय सेठ ने बताया कि इस महोत्सव से संसदीय क्षेत्र के

नवोदित कलाकार विभिन्न आयोजनों में भाग लेने की प्रक्रिया से जुड़ेंगे, जबकि युवा और प्रसिद्ध कलाकारों को आयोजन के अलग-अलग कार्यक्रमों के बीच अलग-अलग प्रस्तुति के लिए खंड दिये जायेंगे। सांसद सांस्कृतिक महोत्सव में प्रविष्टि जमा करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल निर्धारित की गयी है। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने इस महोत्सव में भाग लेने की इच्छा जतायी है। वर्तमान समय में नयी कक्षाएं शुरू हुई हैं। कई रिजल्ट आने हैं। इन सबको लेकर विद्यार्थियों के लिए ऐसा किया गया है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में दो वर्गों की प्रतियोगिताएं होंगी। जूनियर वर्ग 10 से 17 वर्ष तक की आयु के लोग और सीनियर वर्ग 18 वर्ष और उससे ऊपर की आयु

तक के प्रतिभागी भाग ले सकते हैं। महोत्सव के उद्देश्यों के बारे में सांसद ने बताया कि संस्कृति के संरक्षण में भारतीय कलाओं की अहम भूमिका है। पीढ़ी दर पीढ़ी भारतीय कलाओं का हस्तांतरण गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से होता रहा है। समकालीन भारतीय परिवेश में प्रदर्शन कलाओं के प्रति झारखंड की युवा पीढ़ी आकर्षित हो, सजग हो और अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति का संज्ञान करते हुए भारतीयता के बोध से गौरवान्वित हो, यह आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मानव विकास, व्यक्तित्व विकास, सक्रिय नागरिकता, युवा नेतृत्व निर्माण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता फैलाना इसका उद्देश्य है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने जमशेदपुर जेल में बंद भाजपा नेता अभय सिंह से की मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता जमशेदपुर। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने शुक्रवार को जमशेदपुर के सेंट्रल जेल में भाजपा नेता अभय सिंह से मुलाकात की। इस बीच उनके बेहद करीबी नेता साथ में थे, लेकिन अंदर जाने की किसी को अनुमति नहीं थी। अर्जुन मुंडा सेंट्रल जेल में जाकर अभय सिंह से मिलने का मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना है।



अर्जुन मुंडा सेंट्रल जेल में करीब 20 मिनट तक रहे और अभय सिंह से घटना की सारी कहानी उनकी जुबानी सुनी। इस बीच अभय सिंह ने पूरी कहानी बताया और कहा कि कदमा की घटना के दिन वह उस तरफ नहीं गये थे। सोची-समझी साजिश के तहत उन्हें आदिलपुर के शैलेंद्र सिंह और जिला परिषद पूर्वी सिंहभूम की चेयरमैन बारी मुर्मू भी मौजूद थीं।

सामाजिक समरसता के राष्ट्रवादी चिंतक बाबा साहेब आंबेडकर : दीपक प्रकाश

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती को सामाजिक समरसता एवं न्याय दिवस के रूप में मनाया



आजाद सिपाही संवाददाता रांची। झारखंड प्रदेश भाजपा ने शुक्रवार को बृथ स्तर पर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती को सामाजिक समरसता एवं न्याय दिवस के रूप में मनाया। सभी स्थानों पर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को चर्चा की गयी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि युगों युगों के बाद धरती पर ऐसे महामानव का जन्म होता है। विषम परिस्थितियों से लड़ते हुए इतिहास रचने वाला व्यक्तित्व ही राष्ट्र और समाज के लिए आदर्श बनता है, लोगों की प्रेरणा बनता है। उन्होंने कहा कि डॉ आंबेडकर ने अपने राष्ट्रवादी चिंतन से सामाजिक समरसता के लिए देश को एक नयी दिशा दी। वे समाज विशेष के लिए ही नहीं बल्कि भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणापुंज हैं। विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने आंबेडकर को उनकी 132वीं जयंती पर गिरिडीह के तीसरी स्थित वर्णाटाल धर्मशाला में श्रद्धा सुमन अर्पित

करते हुए कहा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की सोच लोकतंत्र की आवश्यक शर्त है। उनके विचार भारत के संविधान में स्पष्ट रेखांकित हुए हैं। आज भारत का लोकतंत्र संविधान के अनुरूप लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंत्योदय का संकल्प पूरा होना बाबा साहेब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। प्रदेश कार्यालय में डॉ आंबेडकर के चित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए प्रदेश संगठन मर्यादा कर्मचारी सिंह ने कहा कि एक दृढ़ संकल्प का दूसरा नाम है डॉ भीमराव आंबेडकर जिन्होंने अमानवीय घटनाओं के खिलाफ आवाज बुलंद कीने की कोशिश की। उन्होंने पीठित, शोषित समाज को शिक्षित बना, संपत्तित रहो और जागृत बने का संदेश दिया।

जनाक्रोश से हेमंत सरकार डरी और सहमी हुई है : दीपक प्रकाश रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने राज्य की हेमंत सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। श्री प्रकाश ने कहा कि भाजपा के आंदोलनों और जनाक्रोश से हेमंत सरकार डरी हुई है, सहमी हुई है। उन्होंने कहा कि यह सरकार अपराधियों को पकड़ने, कार्रवाई करने में नाकाम है, लेकिन अपने विरोधियों को राष्ट्रद्वेषी बनाने से नहीं चूकती है। भाजपा राज्य की साढ़े तीन करोड़ जनता की भावनाओं की अभिव्यक्ति है। भाजपा की आवाज जनता की आवाज है। एक सशक्त विपक्ष की भूमिका में जनता की भावनाओं के अनुरूप लोकतांत्रिक आंदोलन करना अपराध है, तो भाजपा ऐसा अपराध करती रहेगी। भाजपा जबतक हेमंत सरकार को गद्दी से उतार नहीं देती आंदोलन जारी रहेगा।

झारखंड हाइकोर्ट ने जैक से पूछा-कब होगी जेटेट परीक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस राजेश कुमार की कोर्ट में गुरुवार को झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) के आयोजन को लेकर सूरज बिहारी मंडल सहित 20 याचिकाकर्ताओं की ओर से दायर याचिका की सुनवाई हुई। कोर्ट ने जैक (झारखंड शैक्षणिक परिषद) के समय देने के आग्रह को स्वीकार करते हुए चार सप्ताह में शपथपत्र दायर करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने जैक से पूछा है कि कब तक जेटेट की परीक्षा ली जायेगी, यह स्पष्ट करें। इससे पहले याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वर्ष



2022 में राज्य सरकार ने प्राथमिक विद्यालयों में सहायक आचार्य पद पर नियुक्ति के लिए पहल शुरू की है। प्रारंभिक शिक्षा सहायक आचार्य संवर्ग नियुक्ति प्रोन्नति सेवा शर्त नियमावली 2022 के तहत यह परीक्षा ली जायेगी। इस नियमावली के तहत वही लोग सहायक आचार्य पद पर आवेदन कर सकेंगे, जो जेटेट पास है। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वर्ष 2016 के बाद जेटेट परीक्षा नहीं ली गयी है। इसलिए राज्य सरकार को निर्देशित किया जाये कि कोई भी शिक्षक नियुक्त करने से पहले जेटेट परीक्षा आयोजित कर ली जाये। यदि जेटेट परीक्षा करना संभव नहीं है, तो सीटेट पास अभ्यर्थियों को भी शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति दी जाये। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि वर्ष 2019- 2021 के बीच सीटेट परीक्षा पास किये हुए हैं।

राशिफल	
दों एनके वेरा 943114351	
मेघ	नौकरी-व्यापार की स्थिति में कुछ उलझनों का सामना होगा, आर्थिक चर्च में सफलता।
वृष	घोटी खरीदने का संकेत बनेगा, किसी खास व्यक्ति के सहयोग से महत्वपूर्ण काम बनेगा।
मिथुन	कर्मक्षेत्र में सौभाग्यवत वातावरण, बकरी रकम की प्राप्ति होगी, वस्त्र-आभूषण की प्राप्ति होगी।
कर्क	नौकरी में स्थानांतरण-पदोन्नति होने का संकेत बन सकता है, गृह-भूमि का सुरुष मिलेगा।
सिंह	रोजी-रोजगार में सफलता, रकम हूआ काम पूरा होगा, रुग्ण सन्नाचरो की प्राप्ति होगी।
कन्या	महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा, आर्थिक लाभ, घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण बनेगा।
तुला	परिचर में सतंत्र के विवाहदि रुग्ण न्यायिक कार्य सम्पन्न होगा, रक्तदान-क्रिया का सहयोग मिलेगा।
वृश्चिक	जमीन-जायदद संबंधी काम बनेगा, सतंत्र एव से सुखद सन्नाचर की प्राप्ति होगी।
धनु	शिक्षा संबंधी कार्य सफल होगा, महत्वपूर्ण सन्नाचरो की प्राप्ति होगी, विरोधियों पर विजय।
मकर	आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, रोम-श्रम-सुखान से सुकृष्ण, परिचर में सुख-शांति का वातावरण बनेगा।
कुंभ	इष्ट-निर्गो-स्वजनों से न्यायिक पीडा, परिश्रम-प्रवृत्त से आर्थिक काम पूरा होगा।
मीन	सम्मान-सम्मानन की रखा होगी, श्रद्धालु के सहयोग से रोजी-रोजगार में सफल होगी।



केंद्रीय सूचना प्रसारण खेलकूद और युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर से मिले सांसद संजय सेठ पत्रकारों के लिए राष्ट्रीकृत जीवन, स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू करने का आव्रह

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। सांसद संजय सेठ ने नवी दिल्ली में केंद्रीय सूचना प्रसारण खेलकूद और युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात की। इस मुलाकात के क्रम में सांसद ने उन्हें सांसद सांस्कृतिक महोत्सव में आने का आमंत्रण दिया। रांची सहित झारखंड के विभिन्न विषयों से संबंधित एक जापन सौंपा। केंद्रीय मंत्री को दिये गये ज्ञापन में सांसद ने डीडी झारखंड, खेलगांव सहित पत्रकारों के कल्याण पर भी चर्चा की। अपने ज्ञापन में सांसद ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि राजधानी रांची में स्थित खेलगांव एशिया महादेश का सबसे बड़ा स्पोर्ट्स कंप्लेक्स है, परंतु इसका पूरी तरह सडुपयोग नहीं हो पा रहा है। यहां पर केंद्रीय खेल विश्वविद्यालय खोलने की योजना

डीडी झारखंड पर क्षेत्रीय भाषाओं में हो झारखंडी वीरों की गाथाओं पर प्रसारण
खेलगांव में राष्ट्रीय प्रशिक्षण और केंद्रीय खेल विद्यालय खोलने का सुझाव
ओटीटी प्लेटफॉर्म पर परोसी जा रही अश्लीलता पर रोक लगाने की मांग

पर काम करना चाहिए। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण शिविर यहां आयोजित होना चाहिए। इससे देशभर के खिलाड़ी एक दूसरे से जुड़ सकेंगे। सांसद ने ज्ञापन के माध्यम से आग्रह किया कि आजादी के अमृत काल में झारखंड दूरदर्शन के द्वारा राज्य के स्वतंत्रता सेनानियों, वीर बलिदानियों सहित सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण



योगदान देनेवाले व्यक्तित्व के जीवन की पटकथा का प्रसारण क्षेत्रीय भाषाओं में होना चाहिए, ताकि लोग अपने राज्य की महान विभूतियों की वीर गाथाओं से अवगत हो सकें। श्री सेठ ने मंत्री से कहा कि

में देखने से वंचित रह जाते हैं। इस दिशा में भी काम करने की आवश्यकता है। वहीं झारखंड सहित देशभर में बड़ी संख्या में यूट्यूब चैनल चल रहे हैं, जो खबरों का प्रसारण करते हैं। ग्राउंड लेवल पर उनके पास कई बार बेहतर समाचार होते हैं, इनके प्रसारण को मान्यता मिल सके, इस दिशा में शीघ्रता से काम करने की आवश्यकता है। एक नियमावली बना कर ऐसे यूट्यूब चैनलों को मान्यता देने, उनका निबंधन करने की दिशा में कार्य करना चाहिए।

श्री सेठ ने अपने पत्र में कहा है कि राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी संख्या में पत्रकार काम करते हैं। कई बार उनका काम जोखिम भरा होता है। ऐसे पत्रकारों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एकीकृत जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा, उनके परिवार का

महत्वपूर्ण न्यूज



डॉ आंबेडकर सदियों तक भारतीयों के दिलों में रहेंगे : डॉ नीता पांडेय
रांची (आजाद सिपाही)। कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड में संविधान निर्माता डॉ भीम राव आंबेडकर के जीवन, चरित्र और उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए उन्हें याद किया गया। मौके पर प्राचार्या डॉ नीता पांडेय ने कहा कि भारत का संविधान दुनिया का श्रेष्ठ और सबसे बड़ा संविधान है। हमारे देश का संविधान समानता, स्वतंत्रता, एकता और अखंडता का पक्षपोषक होने के साथ-साथ करीब डेढ़ सौ करोड़ जनसंख्या वाले देश के नागरिकों के लिए न्याय और विश्वास का प्रतीक भी है। इस श्रेष्ठ संविधान के शिल्पकार डॉ आंबेडकर सदियों तक भारतीयों के दिलों में रहेंगे। इससे पहले छात्र शैलोज सिंह ने डॉ आंबेडकर के जीवन यात्रा पर प्रकाश डाला। बच्चों ने सामूहिक रूप से प्रस्तावना का पाठ किया। कार्यक्रम का संयोजन चीफ एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर आशा राज और विनीता वर्मा, जबकि संचालन शिक्षिका विनीत कर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक सतीश कुमार मिश्र, अनुमेहा, मोनिका मुंडू और प्रियंका चक्रवर्ती ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

डॉ आंबेडकर का जन्मोत्सव मनाया गया



रांची (आजाद सिपाही)। आरएस फाउंडेशन के सदस्यों डॉ भीमराव आंबेडकर का 132वां जन्मोत्सव मनाया। डॉ बीआर आंबेडकर एक प्रसिद्ध राजनीतिक नेता, दार्शनिक, अर्थशास्त्री, विद्वान और समाज सुधारक थे। 14 अप्रैल का दिन देश भर में आंबेडकर जयंती के तौर पर मनाया जाता है। संविधान निर्माण में अहम भूमिका निभाने के कारण उन्हें संविधान का जनक भी कहा जाता है। इस मौके पर आरएस फाउंडेशन के सदस्य पंकज बैंक, संतोष कुमार, प्रशांत कुमार और अन्य अतिथि भी मौजूद थे।

सीएमपीडीआइ में बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती मनी



रांची (आजाद सिपाही)। सीएमपीडीआइ के कांग्रेस हॉल में भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव राव आंबेडकर की 132वीं जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर सीएमपीडीआइ के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) एसके गोमास्ता, महाप्रबंधक और विभागाध्यक्ष, कर्मियों, श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों ने बाबा साहेब की तस्वीर पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता खालिदा इया रश्मि ने अपने संबोधन में भारत के संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला और संविधान नागरिकों को कैसे सशक्त बना सकता है, पर विस्तृत विवेचन की। मौके पर श्री गोमास्ता ने डॉ आंबेडकर को उनके आदर्शों और सिद्धांतों का सही सार जानने के लिए साहित्य और बाबा साहेब से संबंधित पुस्तकों को पढ़ने की अपील की। इस अवसर पर कोल इंडिया अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ (सिस्टा), के प्रतिनिधि केएम डाविन, सीएमपीडीआइ शाखा के अध्यक्ष प्रवीण कुमार, संजय कुमार, किजय कुमार और एससी/एसटी/ओबीसी परिषद के सदस्य गौरे लाल पासवान, प्रेम चंद्र गुड्डिया, मनोज कुर्ते, मीरा कुमारी, कामेश्वर रविदास आदि ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। सेल सैटेलाइट टाउनशिप में मनायी गयी आंबेडकर जयंती रांची। डॉ भीमराव आंबेडकर जयंती सेल सैटेलाइट टाउनशिप, आंबेडकर स्टेच्यू नेहरू पार्क में उद्घाटन के साथ मनायी। कार्यक्रम की शुरुआत में सीजीएम (पीएंडए) समस्त जीव जाचक ने कार्यकारी निदेशकों और सेल के अन्य कर्मचारियों का स्वागत किया। सभी कर्मचारियों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात जितेंद्र महरोम ने उपस्थित लोगों को डॉ अरुणदेवकर के जीवन पर प्रकाश डाला। इसके बाद जगदीश अरोड़ा, कार्यकारी (निदेशक), सीडीटी और निर्विक बन्जोई, डडी (आरडीसीआईएस) ने बाबा साहेब के जीवन से प्रेरक तथ्यों को प्रस्तुत किया। संजीव कुमार, डडी (एचआरडी) और आशीष चक्रवर्ती, डडी (एसएसओ) भी इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। प्रभात होरे ने धन्यवाद ज्ञापित किया और कार्यक्रम का संचालन सुमन मंहर ने किया। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ (सेवा) ने भी इस अवसर पर बाबा साहेब को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। पंकज नायक, जयप्रकाश, संजय सुमन, अभय कुमार आदि के योगदान ने इस आयोजन को सफल बनाया।

कन्या उच्च विद्यालय बोड़िया में मनी आंबेडकर जयंती



रांची (आजाद सिपाही)। कन्या उच्च विद्यालय बोड़िया में भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिकरी उपस्थित हुए। मौके पर उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर दलित पिछड़े आदिवासियों के कर्सीह थे। मौके पर कन्या उच्च विद्यालय के प्राचार्य सुमित्रा कुंजूर, पुष्पा मुंडा, विमला देवी, सपना कुमारी, वर्षा रानी और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

राजद, जदयू और भाकपा ने मनायी डॉ आंबेडकर की जयंती

रांची (आजाद सिपाही)। राजद, जदयू और भाकपा कार्यालयों में नेताओं ने शुक्रवार को बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर की 132 वीं जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। मौके पर राजद प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने कहा कि बाबा साहब भीमराव ने छुआछूत के विरुद्ध संघर्ष किया और इसके जरिए उन्होंने निम्न जाति वालों को छुआछूत की प्रथा से मुक्ति दिलायी। जदयू के प्रदेश महासचिव श्रवण कुमार ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर विधिवेत्ता, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे। भाकपा सचिव सह जिला मंत्री अजय सिंह ने कहा कि बाबा साहब के विचारों को अपना कर ही भारत को विकास रास्ते पर आगे बढ़ाया जा सकता है।

अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा ने मनायी आंबेडकर जयंती

रांची (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा झारखंड प्रदेश के द्वारा हनुमान महानायक भीमराव आंबेडकर की 135 वीं जयंती मनायी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के अध्यक्ष भगत वाल्मीकि और संचालन जुगल कांगड़ा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन गोविंदा वाल्मीकि ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता इंद्रजीत यादव ने कहा कि आसान नहीं होता एक ऐसे तबके से आकर दुनिया के फलक पर छज जाना जो शोषण और दमन का शिकार रहा हो, लेकिन बाबा साहेब आंबेडकर तो किसी और ही मिट्टी के बने थे। हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए संविधान का निर्माण किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आनंद कांगड़ा, दीमन वाल्मीकि, प्रेम वाल्मीकि, शशि जेदिया, विनोद लोहरा, रंजीत पवार, संतोष सांवरिया, प्रेमलता देवी, सुनील सिंह, गुड्डिया वाल्मीकि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में संविधान निर्माता बाबा साहेब की जयंती मनी बाबा साहेब ने समानता लाने के लिए महिलाओं में शिक्षा को प्रमुख शस्त्र माना: प्रो संजय



आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर जयंती के मौके पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। विषय था, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जीवनी और भारतीय समाज के प्रति उनका योगदान। मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद थे पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान में विधान परिषद सदस्य, पीएमआइआर, पटना विश्वविद्यालय, प्रो संजय पासवान। प्रो संजय पासवान ने डीएसपीएमयू में अपने उद्बोधन में

एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया
कहा कि किसी भी समाज का मूल्यांकन इस बात से किया जाता है कि उसमें महिलाओं की क्या स्थिति है। डॉ आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। आजाद भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए कई कदम उठाये। 1951 में उन्होंने हिंदू कोड बिल संसद में पेश किया। प्रो संजय पासवान ने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि अपनी मातृभाषा में अपनी बातों

को अभिव्यक्त करने पर बल दें, इसके द्वारा आप अपने आत्मविश्वास की वृद्धि कर पायेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ तथन कुमार शांडिलय ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को आर्थिक और सामाजिक न्याय के प्रणेता के तौर पर स्मरण करते हुए कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर ने दलितों और अछूतों में एक नयी जागृति लायी। उन्होंने कहा कि डॉ आंबेडकर ने समाज में समानता लाने के लिए शिक्षा को महत्वपूर्ण माना। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत और बाबा साहेब भीमराव

आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। अतिथियों का स्वागत डॉ विनय भरत ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ नमिता सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ पंकज कुमार, डॉ विनय भरत, डॉ अशोक नाग, डॉ अभयकृष्ण सिंह, प्रो राजेश कुमार सिंह, डॉ जितेंद्र सिंह मुंडा, प्रियांशु कुमार, डॉ शमा सोनाली, डॉ रीना नंद, डॉ शुचि बरवार, सौरभ कुमार, कर्मा कुमार और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। यह जानकारी पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

धांधली : सेना जमीन फर्जीवाड़े में इडी ने पकड़ी बड़ी जालसाजी रजिस्ट्री दस्तावेज में 1932 में ही बन गया था पश्चिम बंगाल और भोजपुर

आजाद सिपाही संवाददाता

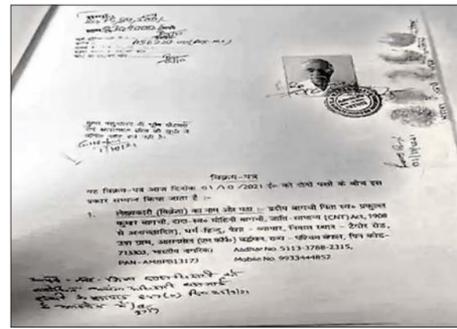
रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने रांची में सेना की जमीन के फर्जीवाड़े में बड़ी जालसाजी का पता लगाया है। यह जालसाजी फर्जी दस्तावेज तैयार करने के दौरान की गयी। जानकारी के अनुसार इडी द्वारा इस मामले में गिरफ्तार प्रदीप बागची द्वारा पेश दस्तावेज में बताया गया है कि 4.55 एकड़ जमीन को उसके पिता ने 1932 में खरीदी थी और इसकी रजिस्ट्री कोलकाता में हुई थी। इस दस्तावेज में राज्य का उल्लेख पश्चिम बंगाल के रूप में है, जबकि 1932 में राज्य का नाम बंगाल था। पश्चिम बंगाल 1947 में अस्तित्व में आया। इसी तरह दस्तावेज में कई जगहों पर गवाहों, विक्रेता और क्रेता के पते के साथ पिन कोड का उल्लेख किया गया है। उस समय पिन कोड का अस्तित्व ही नहीं था। पोस्टल इंडेक्स नंबर (पिन) की शुरुआत 15 अगस्त, 1972 को हुई थी। दस्तावेज में एक गवाह का स्थायी पता भोजपुर जिला बताया गया है, जबकि बिहार के इस जिले की स्थापना 1972 में हुई। इस जालसाजी के पकड़ में आने के बाद अब इडी ने ऐसे सभी दस्तावेजों के साथ-साथ कोलकाता रजिस्ट्रार कार्यालय के भूमि रजिस्ट्रारों का फॉरेंसिक परीक्षण करने का फैसला किया है, ताकि पत्नों, स्याही और अन्य की उम्र का पता लगाया जा सके और इसे जालसाजी का सबूत बनाया जा सके। बता दें कि इसी जमीन घोटाले की जांच इडी कर रही है और गुरुवार को उसने रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन तथा कई अन्य

पिन कोड की शुरुआत भी उसी साल कर दी गयी थी
पश्चिम बंगाल 1947 में अस्तित्व में आया

लोगों के ठिकानों पर छापामारी की थी। इडी ने इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया है। इडी ने दक्षिण छोटानागपुर के प्रमंडलीय आयुक्त नितिन मदन कुलकर्णी द्वारा दिये गये जांच के आदेश को भी ध्यान में रखा है, जिसमें कहा गया है कि रांची में जयंत कर्नाड के स्वामित्व वाली 4.55 एकड़ जमीन वर्तमान में भारतीय सेना के कब्जे में है, लेकिन प्रदीप बागची द्वारा घोखाधड़ी कर इसे दिलीप घोष को बेच दिया।

क्या है जांच रिपोर्ट में

नवंबर 2021 में अखिल भारतीय अनुसूचित जाति महासभा के राष्ट्रीय महासचिव उपेंद्र कुमार द्वारा दर्ज शिकायत के मद्देनजर जांच का आदेश दिया गया था। कोलकाता के दिलीप घोष जगतबंधु टी इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं। प्रमंडलीय आयुक्त के आदेश के आलोचक में उप निदेशक (कल्याण) द्वारा की गयी जांच में कहा गया है कि विक्रेता प्रदीप बागची के पक्ष में उक्त भूमि के स्वामित्व का एक फर्जी दस्तावेज (पंजीकरण संख्या 4369/19932) बनाया गया था। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रथम दृष्टया यह आरोप सही पाया गया है कि जमीन की विक्री को फर्जी तरीके से अंजाम दिया गया



था। यह भारतीय सेना के कब्जे वाले शहर के मध्य में स्थित एक प्रमुख भूमि है। बड़े आश्चर्य की बात है कि 1932 में जमीन खरीदने के बाद बागची परिवार ने कभी भी भारतीय सेना द्वारा उनकी जमीन पर कब्जे के खिलाफ या किराये की मांग के लिए किसी अदालत का रुख नहीं किया। 90 साल बाद अचानक प्रदीप बागची सामने आये और जगतबंधु टी इस्टेट के निदेशक दिलीप कुमार घोष को जमीन बेच दी। इसलिए यह पूरा सौदा संदेह के घेरे में है।

जमीन का संक्षिप्त इतिहास

सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार उक्त जमीन सौदा ब्लॉक, मौजा मोहानाबादी, थाना संख्या 192 और वार्ड 21 के अंतर्गत स्थित है। भूमि मूल रूप से प्रमोद नाथ दासगुप्ता के नाम पर पंजीकृत थी, जिसे बाद में उनके कानूनी उत्तराधिकारी जयंत कर्नाड को हस्तांतरित कर दिया गया था। उक्त जमीन पर 1967 से किराये और इस्तेमाल के अधिकारों के दावे के लिए कई कानूनी और प्रशासनिक आदेश

तब अंचल अधिकारी ने खरीदार को जमीन के स्वामित्व के हस्तांतरण को इस आधार पर निष्पादित करने से इनकार कर दिया था कि जमीन सेना के कब्जे में थी।

जांच रिपोर्ट के अन्य निष्कर्ष

जांच अधिकारी ने दस्तावेजों का जवाब देते हुए कहा कि इस जमीन से जुड़े 1967 से 2017 के बीच के फैसले और प्रशासनिक आदेश इस बात में कोई संदेह नहीं पैदा करते कि जमीन का असली मालिक कौन है। उच्च न्यायालय के फैसले में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भूमि को मुंजेश्वर लक्ष्मण राव (प्रमोद नाथ दासगुप्ता के नाना) के उत्तराधिकारियों के पक्ष में जारी किया जाना चाहिए। जमीन भारतीय सेना के कब्जे में है, लेकिन इसके बावजूद विक्री की अनुमति दी गयी, जो बहुत ही संदिग्ध है।

जांच अधिकारी ने कहा कि प्रदीप बागची ने दावा किया कि भू-माफियाओं ने फर्जी दस्तावेज बना कर उसकी जमीन बेच दी। भारतीय सेना को केवल मौखिक रूप से अपनी भूमि का उपयोग करने के लिए कहा गया था। वे दावे फर्जी हैं। जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बागची ने घोखाधड़ी से अप्रैल 2021 में रांची नगर निगम से एक होल्डिंग नंबर प्राप्त किया, जिसके लिए उसने उन दस्तावेजों (बिजली बिल) का इस्तेमाल किया, जो किसी और के हैं। ये सब उसने खुद को असली मालिक साबित करने के लिए किया।





भारत सदैव डॉ आंबेडकर के कार्यो और विचारों का ऋणी रहेगा : प्रो गोपाल पाठक



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा भारत के संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की 132वीं जन्म जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गोपाल पाठक ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जीवनी, शिक्षा दीक्षा और उनके कार्यो की विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि भारत सदैव बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के कार्यो और विचारों का ऋणी रहेगा। बाबासाहेब अंबेडकर ने जीवन पर्यंत राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव के साथ-साथ सांस्कृतिक एकता के ना केवल पक्षधर रहे, बल्कि इस दिशा में कई ऐतिहासिक कदम भी उठाये।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर विजय कुमार सिंह ने भारतीय समाज की एकता और विशेषताओं की चर्चा करते हुए कहा कि बाबा साहब अंबेडकर तीक्ष्ण बुद्धि युक्त और

प्रतिभा संपन्न एक कुशल विचारक थे। सामाजिक विद्वेष और जातिगत जकड़न के बावजूद वे सामाजिक परिवर्तन के कारक बने। उन्होंने भारतीय राजनीति का न केवल उद्धान किया, बल्कि भारतीय समाज के पुनर्जागरण का कार्य भी किया। इस अवसर पर इंजीनियरिंग के डीन प्रोफेसर श्रीधर बी दंडिन ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मुख्य नायक पत्रिका की चर्चा करते हुए उनके विचारों से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ नीतू सिंधी ने किया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन की औपचारिकता विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव प्रो अमित गुप्ता के द्वारा पूरी की गयी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने बाबा साहब भीमराव को नमन करते हुए विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों और छात्र छात्राओं को उनकी जयंती की शुभकामनाएं प्रेषित की है।

चुटिया मंडा पूजा में राधा चक्र शोभायात्रा एवं झूलन आज



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के चुटिया में चल रहे मंडा पूजा में शुक्रवार को पूजा अर्चना करने के बाद मंदिर के पुजारी पंडित ने सभी भोक्ताओं को गुड़ का शरबत एवं कच्चा आम प्रसाद के रूप में खिलाया। मान्यता है कि विशु के दिन ही सभी घरों में आम का स्वाद चखते हैं, इससे पहले आम का सेवन नहीं करते हैं। फिर भोक्ता गण सज धज कर अर्धनारी का रूप लेकर प्राचीन श्री राम मंदिर से चल पड़ते हैं इस समय एक खास अनुष्ठान का आयोजन होता है। जिसे राधा चक्र कहते हैं इस राधा चक्र एक बैलगाड़ी में लगाकर जिसमें पाट भोक्ता को अर्धग्न अवस्था में नुकीली किलो के बीचो-बीच लिटाकर शिव मंदिर महादेव मंडा घुमाते हुए लाते हैं। इसके बाद सभी भोक्ताओं को महादेव मंडा के प्रांगण में एक लकड़ी के खंभे में बारी-बारी से झुलाया जाता है। भोक्ता गण श्रद्धालुओं को ऊपर से

आस्था के फूल बरसाते हैं। इस दिन मंदिर परिसर में मेला का भी आयोजन होता है। साथ ही रात्रि में झारखंड के स्थानीय कलाकारों द्वारा आर्केस्ट्रा का भी आयोजन किया जाता है। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में रांची के सांसद संजय सेठ राज्यसभा के सांसद महुआ मांडी, रांची के विधायक सोपी सिंह, भाजपा नेता रमेश सिंह, अमरजित यादव, दिलीप स्वर्णकार, अशोक साहू, गोपाल सोनी, रवि सिंह, सभापति महतो, अशोक पासवान सहित कई श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

छठी के साथ मंडा पूजा का समापन होगा : मंडा पर्व छठी के साथ संपन्न होता है। इस दिन सभी भोक्ता हजामत करा कर एक दूसरे के शरीर में तेल हल्दी लगाकर अपना व्रत को तोड़ते हैं और खजुरिया तालाब में स्नान करने के बाद बाबा का श्रृंगार पूजा करते हैं और अंत में भोक्ताओं के लिए भंडारे का आयोजन होता है।

एक दर्जन जिलों का तापमान 40 के पार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची समेत आसपास के जिलों में गर्मी की तपिश लोगों को सताने लगी है। तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। सुबह 9 बजे से ही धरती तपने लगती है। दिनभर तेज धूप के कारण हीट वेव जैसी स्थिति बनती जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार लगभग एक दर्जन जिलों में तापमान 40 के पार पहुंच चुका है।

हीटवेव से नाक से खून गिरने की समस्या : वरीय विज्ञानी अभिषेक आनंद ने कहा कि गर्मी का असर लगातार बढ़ रहा है और दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक बाहर न निकलें, तो स्वास्थ्य के लिए बेहतर होगा। इससे चक्कर आने और नाक से खून गिरने की समस्या हो सकती है। हीटवेव चलने की आशंका है इसलिए लू

लग सकती है। लोग घर में रहें और टंडक प्रदान करने वाली खाद्य सामग्री ही इस्तेमाल में लायें। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के मध्य भाग यानि रांची, बोकारो, रामगढ़, गुमला, हजारीबाग, खुर्दी में 16 अप्रैल तक अधिक तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। दक्षिणी हिस्से यानि पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला खरसावा में अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। उत्तर पश्चिमी हिस्से पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। उत्तर पूर्वी हिस्से देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज में भी अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

खालसा साजना दिवस पर विशेष दीवान सजाया गया

सिमरो सिमर सिमर सुख पावउ कल कलेश तन माहीं मिटावउ...

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। खालसा साजना दिवस के अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी में शुक्रवार को सुबह छह बजे से विशेष दीवान सजाया गया। विशेष दीवान की शुरुआत छह बजे भाई महिपाल सिंह और साथियों द्वारा आस्था दी वर कीर्तन से हुई। तत्पश्चात विशेष रूप से पधारे दरबार साहब अमृतसर के हजुरी रागी जत्था भाई बलवीर सिंह जी (चंडीगढ़ वाले) ने शब्द गायन किया। उन्होंने सिमरो सिमर सिमर सुख पावउ, कल कलेश तन माहीं मिटावउ... और पूता माता की आशीष निमख ना विसरउ तुमको हर हर सदा भजो जगदीश... और तुम करो दया मेरे साईं ऐसी मत दीजे मेरे ठाकुर सदा सदा तु धियाई... जैसे कई शब्द गायन कर संगत को गुरवाणी से जोड़ा। अनंद साहब के पाठ, अरदास, हनुकनमा और कदाह प्रसाद विवरण के साथ सुबह नौ बजे दीवान की समाप्ति हुई।

सत्संग सभा के प्रधान दारकादास मुंजाल और सचिव अर्जुन देव मिढा ने भाई बलवीर



सिंह जी और साथियों को गुरु घर का संरोपा भेंट कर सम्मानित किया। मंच संचालन मनीष मिढा ने किया।

सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि आज खालसा साजना दिवस के अवसर पर सुबह छह बजे निशान साहब की सेवा की गयी। गुरु घर के सेवक हरविंदर सिंह ने निशान साहब का पुराना चोला बदल कर नया चोला पहनाया। साथ ही जानकारी दी कि आगामी 23 मई को मनाये जा रहे श्री गुरु अर्जुन

देव के शहीदी गुरुपर्व को मुख रखते हुए शुक्रवार की शाम चार बजे से लगातार 40 दिनों तक स्त्री सत्संग सभा द्वारा श्री सुखमनी साहिब के पाठों की लड़ी शुरू होगी, जिसका समापन शहीदी गुरुपर्व के दिन 23 मई को होगा। दीवान में सुंदर दास मिढा, हरगोविंद सिंह, जीवन मिढा, चरणजीत मुंजाल, वेदप्रकाश मिढा, मोहन लाल अरोड़ा, लेखराज अरोड़ा, अमरजीत गिरिधर, सुरेश मिढा, बिनोद सुखोजा, अनूप गिरधर, हरीश

मिढा, पवनजीत सिंह, नवीन मिढा, आशु मिढा, नीरज गखड़, अश्विनी सुखोजा, कमल मुंजाल, कमल अरोड़ा, प्रताप खत्री, राकेश गिरधर, इंद्र मिढा, रमेश पपनेजा, हरीश मुंजाल, गीता कटारिया, मंजीत कौर, बंसी मल्होत्रा, विमला मुंजाल, मीना गिरधर, शीतल मुंजाल, रेशमा गिरधर, नीतू किंगर, ममता थरेजा, उषा झंडई, किरण अरोड़ा, रजनी तेहरी, खुशबू मिढा, रज्जो काठपाल, मनोही काठपाल समेत अन्य शामिल हुए।

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष राजन मेहता की अध्यक्षता में आंबेडकर जयंती मनायी बाबा साहब के सपनों को बसपा पूरा करेगी : तोमर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बहुजन समाज पार्टी झारखंड प्रदेश के द्वारा शुक्रवार को अंजुमन प्लाजा रांची में डॉ बीआर अंबेडकर का 132वां जयंती मनाया गया। इस मौके पर बहुजन समाज पार्टी का 39वां स्थापना दिवस भी मनाया गया। यहां प्रदेश अध्यक्ष राजन मेहता की अध्यक्षता व रांची जिला अध्यक्ष अवधेश बैठा के संचालन में हुई। बसपा सभा में वक्ताओं के द्वारा बाबा साहब के जीवन संघर्ष से अवगत कराया। कलाकारों ने झारखंडी आदिवासी लोक नृत्य पेश किया। कई कवियों द्वारा कविताओं के माध्यम से बहुजन समाज के लोगों को बाबा साहब के समतावादी आधुनिक विचारों से अवगत कराया। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता एमएल तोमर ने कहा कि एक बार बाबा साहब 25 नवंबर 1949 के दिन मन ही मन बड़े ही प्रसन्न प्रतीत हो रहे थे। शायद उनके जीवन का यह एकलौता वक्त था। तो लोगों ने पूछा कि आज आप इतने खुश क्यों हो? तो बाबा साहब ने कहा कि आज मैं इसलिए खुश हूँ क्योंकि आज मैंने संविधान के माध्यम से भारत में लोकतंत्र



स्थापित करके यह सिद्ध कर दिया कि अब राजा का बेटा राजा नहीं बनेगा। अब कोई भी राजा बन सकता है।

विशिष्ट अतिथि केंद्रीय राज्य प्रभारी सतीश बौद्ध ने कहा कि बहुजन समाज को एकजुट होकर बाबा साहब के द्वारा बताए अनमोल विचार को आत्मसात कर उनके जन्मदिन के अवसर पर गठित बहुजन समाज पार्टी में एकजुट होकर राजनीतिक शक्ति को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। हमें हर समस्याओं से निजात पाने के लिए बहन कुमारी मायावती को देश का अगला प्रधानमंत्री बनाना समय की मांग है। प्रदेश प्रभारी सुबल दास ने कहा कि झारखंड खनिज संपदा से भरा पूरा और इनके अलग राज्य गठित हुए 22 वर्षों के बाद भी झारखंड में गरीबी, बेरोजगारी व

भ्रष्टाचार रुकने के बजाय काफी इजाफा हुआ है। लिहाजा हमें बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाना समय की मांग है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजन मेहता ने कहा कि झारखंड अलग होने के बाद लोगों को जो भी उम्मीद थी, सभी पर पानी फेरने का काम भाजपा, कांग्रेस, जेएमएम समेत सभी पार्टियों ने किया है। विकल्प के रूप में सिर्फ बहुजन समाज पार्टी है।

कार्यक्रम को प्रदेश महासचिव मनीष कुमार सिंह, विद्याधर प्रसाद, गिरजानंद उरांव, शिवकुमार दास, जयदेव मेहरा, बलदेव दास, अभय कुमार, शीला देवी, हरेंद्र बौद्ध, नयन भारती, आर्यू दास, हीरालाल, इंद्रदेव, मनीष मेहता, बिनोद कुमार सोनी सहित अन्य मौजूद थे।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों के शिक्षकों को अब हर माह बताना होगा कितनी कक्षाएं लीं और कितने मरीजों को देखा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य विभाग राज्य के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के शिक्षकों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने की तैयारी में है। स्वास्थ्य विभाग ने इस दिशा में पहल करते हुए कार्य योजना तैयार की है। प्रस्तावित कार्य योजना के तहत अब मेडिकल कॉलेज के शिक्षकों को हर माह यह बताना होगा कि उन्होंने कितनी कक्षाएं लीं और कितने मरीजों का इलाज किया। प्रत्येक माह इस डिटेल को मेडिकल कॉलेज की वेबसाइट पर भी अपलोड करना होगा। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने सभी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्यों और रिस्म निदेशक को एक फॉर्मेट के साथ निर्देश जारी किया है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव की मानें तो शिक्षकों का मासिक शैक्षणिक और चिकित्सीय कार्यों का कैलेंडर निर्धारित नहीं होने और अनुपालन

नहीं होने से ऐसे शिक्षकों के द्वारा पठन-पाठन की अवधि के दौरान सरकार के निर्देशों के प्रतिकूल अन्य कार्य किये जाते हैं। इसकी वजह से न सिर्फ मेडिकल कॉलेज का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित होता है, बल्कि छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है।

फॉर्मेट में क्या है

विभाग की ओर से मेडिकल कॉलेज के शिक्षकों के लिए आठ कॉलम का फॉर्मेट तैयार किया गया है, जिसे वेबसाइट पर अपलोड करना है। इसमें विभाग का नाम, चिकित्सा शिक्षक का नाम, पदनाम, पदस्थापन की तिथि, शैक्षणिक कार्य दिवस, चिकित्सीय कार्य दिवस और रिमाक्स का जिक्र करना होगा। दूसरा फॉर्मेट 12 कॉलम का है। इसको मासिक प्रतिवेदन समर्पित करने के लिए बनाया गया है। इसमें विभाग का नाम, चिकित्सा शिक्षक का नाम,

पदनाम, पदस्थापन की तिथि, शैक्षणिक कार्य दिवस, चिकित्सीय कार्य दिवस, संपादित की श्रेणी में चिकित्सीय कार्य, शैक्षणिक कार्य के अलावा अंतर की श्रेणी में चिकित्सीय कार्य और शैक्षणिक कार्य के कॉलम को भरना होगा। इसके अलावा 12वें कॉलम में रिमाक्स डालना होगा।

किसको देनी होगी हार्ड कॉपी

अपर मुख्य सचिव ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि हर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और निदेशक हर माह की 10वीं तारीख को शिक्षकों के कार्य के कैलेंडर की कॉपी निदेशक, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के पास सबमिट करना होगा। यही नहीं, कैलेंडर के अनुपालन किये जाने संबंधी संलग्न पत्रच में यह प्रमाणित भी करना होगा कि उन्होंने सरकार के

आदेश का अनुपालन किया है। अगर कैलेंडर का अनुपालन नहीं हुआ है तो उसकी वजह बतानी होगी।

राज्य में संचालित हैं छह मेडिकल कॉलेज

झारखंड के देवघर में एम्स को छोड़ कर राज्य सरकार की ओर से फिलहाल कुल छह मेडिकल कॉलेज और अस्पताल संचालित किये जा रहे हैं। इनमें रांची का राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (रिस्म), जमशेदपुर का एमजीएम मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, धनबाद का शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, पलामू का मैदिनी राय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, दुमका का फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल और हजारीबाग का शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल शामिल हैं।

महत्वपूर्ण न्यूज

रांची रेल मंडल में डॉ आंबेडकर की जयंती पर श्रद्धांजलि दी गयी



रांची (आजाद सिपाही)। भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की 132वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी और उनका स्मरण किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक

प्रदीप गुप्ता ने भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा देश को प्रगतिशील और उन्नतिशील बनाने के लिए उनके व्यपक योगदान और महान कार्यों का उल्लेख किया। इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक प्रदीप गुप्ता, अपर मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार, मुख्य योजना प्रबंधक (गतिशील) सतीश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एसके बेहरा, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) राम प्रताप मीणा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी माणिक शंकर, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह मुख्य जनसंपर्क अधिकारी निशांत कुमार, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता बलराम प्रसाद साहू, मंडल के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने मंडल कार्यालय के सभा कक्ष में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी।

बैंक ऑफ इंडिया रांची में डॉ आंबेडकर की जयंती पर रक्तदान शिविर का आयोजन



रांची (आजाद सिपाही)। बैंक ऑफ इंडिया रांची अंचल द्वारा भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव आर अंबेडकर की 132वीं जयंती मनायी गयी। आंचलिक प्रबंधक संजीव कुमार

सिंह, अखिल भारतीय बैंक ऑफ इंडिया एससी/एसटी/ओबीसी एम्प्लॉइज एसोसिएशन झारखंड राज्य इकाई के महासचिव अरुण जॉन प्रबाल, सहायक महाप्रबंधक सुनील कुमार, उपाध्यक्ष प्रकाश उरांव, उप महासचिव मनीष नारायण, सहायक महासचिव भरत लाल ठाकुर और उपस्थित सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। आंचलिक प्रबंधक संजीव कुमार सिंह ने बाबा साहब डॉ बीआर अंबेडकर के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। अखिल भारतीय बैंक ऑफ इंडिया एससी/एसटी/ओबीसी एम्प्लॉइज एसोसिएशन झारखंड के महासचिव अरुण जॉन प्रबाल ने कहा कि इस खास अवसर पर रांची अंचल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यकारी अध्यक्ष सुनील लकड़ा ने बाबासाहब को याद किया। महिला विंग की अध्यक्ष सतीषी केल्केट्टा और एम्प्लॉइज एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रकाश उरांव ने बाबासाहब की प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन राजेश यादव, प्रबंधक, राजभाषा और धन्यवाद ज्ञापन सुनील कुमार, महाप्रबंधक, रांची मुख्य शाखा द्वारा किया गया। इसके बाद अखिल भारतीय बैंक ऑफ इंडिया एससी/एसटी/ओबीसी एम्प्लॉइज एसोसिएशन झारखंड राज्य इकाई रांची अंचल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 93 लोगों ने रक्तदान किया।

ली लैक सरोवर पोर्टिको की तरफ से नमस्कार



रांची (आजाद सिपाही)। बैशाखी फूड फेस्टिवल रांची के ली लैक सरोवर पोर्टिको में 14 अप्रैल से 23 अप्रैल 2023 तक लंच दोपहर 12:30 से 03:30 बजे और डिनर शाम 07:00 से 10:30 बजे तक हो रहा है। पंजाबी बैशाखी महोत्सव भारत के पंजाब क्षेत्र से जुड़ा हुआ है और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ जैसे जैतूनी डिग्गा, सब्जी हरियाली शोरबा, पटियाला शाही टंगरी, अमृतसरी मछली, आतिश बारा, पंजाबी कुरकुरे, पनीर, शहद, सरसों टिक्का, सरसों का साग और मक्के की रोटी, घोस्ट बिरयानी, सब्ज दिल खुश बिरयानी, अमृतसरी छोले के साथ अमृतसरी कुचका और पंजाबी प्रकृति के कई और व्यंजन इस उत्सव के दौरान मुख्य आकर्षण होंगे। टेबल पर प्रस्तुत मेन्यू में से अपनी पसंद के अनुसार स्पेशल बैशाखी फूड फेस्टिवल का विकल्प चुन सकते हैं। पंजाबी स्टाइल का खाना देने के लिए कार्यक्रम स्थल के माहौल को पंजाबी पारंपरिक तरीके से सजाया गया है।

सामाजिक न्याय के सपने आजादी के 75 वर्ष बाद भी अधूरे हैं: विजय शंकर नायक

रांची (आजाद सिपाही)। बाबा साहब के समतामूलक समाज के निर्माण एवं सामाजिक न्याय के सपने आजादी के 75 वर्ष बाद भी अधूरे हैं। इसे पूरा करने के लिए सरकार एवं समस्त दलित एवं मूलवासी संगठन आगे आए ताकि बाबा साहब के सपनों को पूरा किया जा सके। उक्त बातें झारखंड बचाओ मोर्चा के केंद्रीय संयोजक विजय शंकर नायक ने कही। श्री नायक शुक्रवार को डॉ आंबेडकर की जयंती पर जोरेंडा अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। माल्यार्पण कार्यक्रम में झारखंड बचाओ मोर्चा के वरिष्ठ नेता रंजीत उरांव, विकी पाहन, आनंद तोबा, दीपक पासवान, मंदू राम, अजय नाग, अशोक पासवान, संजय घोष, कुंदन कुमार सिन्हा, मोहम्मद परवेज, दीपक राम, पप्पू सिंह, राजेंद्र मुंडा मौजूद थे।

भारतीय जनतंत्र मोर्चा ने डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनायी

रांची (आजाद सिपाही)। भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने झारखंड हाई कोर्ट के समीप उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। धर्मेन्द्र तिवारी ने कहा कि डॉ आंबेडकर को उनके गुरु ने अपना नाम दिया और गुरु ने उसे आगे बढ़ाया और महान बनाया। डॉ भीमराव अंबेडकर मूलतः समाज सुधारक एवं सामाजिक चिंतक थे। भारतीय संविधान में निहित अधिकारों और मौलिक अधिकारों की रक्षा करना एक प्रमुख उद्देश्य में शामिल है। इस अवसर पर मोर्चा के मनोज सिंह, अविनाश कुमार, शिव शंकर ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे।



मिलिट्री स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था

पंजाब के बटिंडा मिलिट्री स्टेशन पर बुधवार तड़के हुई फायरिंग की घटना जितनी गंभीर है, उतनी ही रहस्यमय भी साबित हो रही है। सेना के चार जवानों की मौत तो एक बड़ा सद्मा है ही, उससे भी बड़ी बात यह है कि इस मिलिट्री स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ऐसे सवाल उठे हैं, जो हमारी सेना की छवि के अनुरूप नहीं लगते। शुरू में ही कहा गया कि यह कोई आतंकी हमला नहीं है, बाहर से कोई नहीं आया। इसी क्रम में इसे फ्रैक्टिसाइड यानी भ्रान्तव्यथा बताया गया। यानी किसी वजह से कोई नाराज सैनिक खुद पर काबू नहीं रखा पाया और गुस्से में फायरिंग कर उसने साथी जवानों की जान ले ली, लेकिन दो दिन पहले इंसोस राइफल और उसकी गोलियां गायब हुई थीं, जिनका इस हमले में इस्तेमाल होने की बात कही जा रही है। अगर यह बात सही है, तो इसका मतलब यह एक सुनियोजित घटना थी। यह भी कहा जा रहा है कि हमलावर एक से ज्यादा थे। कुर्ता-पायजामा पहने दो नकाबपोशों को जंगल की ओर भागते देखा भी गया। यह बात भी इस घटना के फ्रैक्टिसाइड होने की संभावना को खंडित करती है। दूसरी बात यह कि जब हमलावरों को पकड़ा नहीं जा सका है और न ही उनकी पहचान हो पायी है, तो फिर यह बात दावे से कैसे कही जा सकती है कि इसके पीछे कोई आतंकी साजिश नहीं हो सकती? क्या यह हो सकता है कि सेना से जुड़े एकाध लोगों के जरिये इस पूरी साजिश को अंजाम दिया गया हो? क्या ऐसा भी हो सकता है कि जिन हमलावरों को जंगल की ओर भागा

माना जा रहा है, वे मौका निकाल कर किसी तरह वापस कैट में आ गये हों। अगर उनकी पहचान नहीं हुई है, तो एक बार अन्य जवानों में मिल जाने के बाद उन्हें अलग करना मुश्किल होगा। कुछ और भी तथ्य हैं, जिनके ठोस स्पष्टीकरण नहीं मिल रहे। कहा जा रहा है कि इंसोस राइफलों के लापता होने की रिपोर्ट भी मंगलवार को दई करायी गयी, लापता होने के दो दिन बाद। यही नहीं, फायरिंग की घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने में भी असाधारण देरी देखी गयी। यह घटना तड़के 4.30 बजे की है, लेकिन पुलिस स्टेशन को इसकी सूचना दोपहर 2.56 बजे दी गयी। पुलिस डायरी में इस घटना की पहली एंट्री दिन में 3.03 बजे हुई बतायी गयी है। चूंकि यह देश की सुरक्षा और सेना की छवि से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण मसला है, इसलिए इसमें किसी तरह की कयासबाजी नहीं की जानी चाहिए। लेकिन इन पहलुओं को अनदेखा भी नहीं किया जा सकता। खबरों के मुताबिक सेना और सरकार दोनों ने इसे काफी गंभीरता से लिया है और इस पूरे प्रकरण के हर पहलु पर बारीकी से जांच करवाई जा रही है। उम्मीद की जाये कि जांच के बाद न केवल सभी सवालों के जवाब मिलेंगे, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था में आवी खामियों को भी दुरुस्त किया जायेगा।

क्योंकि यह देश की सुरक्षा और सेना की छवि से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण मसला है, इसलिए इसमें किसी तरह की कयासबाजी नहीं की जानी चाहिए, लेकिन इन पहलुओं को अनदेखा भी नहीं किया जा सकता। खबरों के मुताबिक सेना और सरकार दोनों ने इसे काफी गंभीरता से लिया है और इस पूरे प्रकरण के हर पहलु पर बारीकी से जांच करवाई जा रही है। उम्मीद की जाये कि जांच के बाद न केवल सभी सवालों के जवाब मिलेंगे, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था में आवी खामियों को भी दुरुस्त किया जायेगा।

अभिमत आजाद सिपाही

मनिंद्र गिल

कनाडा के सरी में तथाकथित खालिस्तानी संगठनों की ओर से भारतीय उच्चायोग के विरोध के नाम पर किया गया प्रदर्शन को राष्ट्र की सेवा नहीं की गयी, बल्कि सिखों द्वारा झेले जा रहे मसलों के समाधान के रास्ते भी बंद कर दिये गये हैं। यह कोई स्वागत समारोह नहीं था, बल्कि इस मौके पर भारतीय उच्चायोग को सिख समुदाय को आने वाली मुश्किलों और उनके समाधान से संबंधित विस्तारपूर्वक ज्ञान दिया जाना था।

तथाकथित खालिस्तानी समर्थकों का भारत के प्रति रोष इस बात से जाहिर हो जाता है कि ऐसे समय जबकि हमारे समक्ष 700 पंजाबी विद्यार्थियों पर लटक रही निर्वासन की तलवार जैसे मुद्दे खड़े हैं, जोकि समाधान की तुरंत मांग करते हैं, को छोड़ कर खालिस्तान की दुकान चलाने वाले तथाकथित इसके समर्थक सिखों को बदनाम करने पर तुले हुए हैं। ऐसे प्रदर्शनों का मकसद भारतीय उच्चायोग पर दबाव बनाया जाना था कि वह कनाडा सरकार पर दबाव बना कर तुरंत ही विद्यार्थियों के निर्वासन का मसला हल करे। इसके अलावा 10 वर्षीय भारतीय वीजा को चालू करना, पंजाब में अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करना, बंदी सिखों की रिहाई जैसे मसले भी जोर से उठाये जाने थे।

सरी की सभी खालिस्तानी जल्दबादियों को भी भारतीय उच्चायुक्त के साथ बैठक करवाने तथा अपने मुद्दे पेश करने की पेशकश की गयी थी। वहीं भारतीय उच्चायोग की ओर से इस पर अपनी सहमति भी दी गयी थी। मगर

खालिस्तानी समर्थकों ने अपने मुद्दों को सुलझाने की जगह प्रदर्शन का रास्ता चुना तथा लोगों को गुमराह किया। खालिस्तान के नाम पर इन तथाकथित बुकाधारी नेताओं ने गुरु साहब के सवा लाख से एक लड़ाऊं के फलसफे के विपरीत रेडियो 600 एएम के सीनियर पत्रकार सुधीर कौशल, रेडियो इंडिया के पाल वडैच, हरखौर सिंह बत्तरा, जतिंद्र मरवाहा, जतिंद्र सिंह अटवाल (जिनके सिर पर राड से हमला किया गया)पर हमला किया गया।

तथाकथित खालिस्तानी समर्थकों का भारत के प्रति रोष इस बात से जाहिर हो जाता है कि ऐसे समय जबकि हमारे समक्ष 700 पंजाबी विद्यार्थियों पर लटक रही निर्वासन की तलवार जैसे मुद्दे खड़े हैं, जोकि समाधान की तुरंत मांग करते हैं, को छोड़ कर खालिस्तान की दुकान चलाने वाले तथाकथित इसके समर्थक सिखों को बदनाम करने पर तुले हुए हैं।

विभिन्न देशों की एजेंसियों के एजेंट लड़ रहे खालिस्तान की लड़ाई



‘सिख्स फॉर जस्टिस’ के मायके भारत में हैं। यदि यह बात नहीं मानते तो सार्वजनिक बहस में हम यह साबित करने के लिए तैयार हैं। ऐसे लोगों से सिख संगत को सवाल पूछना चाहिए कि कौम को गुमराह कर जगह-जगह प्रदर्शन करने वाले इन स्वयंमू नेताओं ने कमी कोई ज्ञान क्यों नहीं दिया?

खालिस्तानी समर्थकों ने अपने मुद्दों को सुलझाने की जगह प्रदर्शन का रास्ता चुना तथा लोगों को गुमराह किया।

खालिस्तान के नाम पर इन तथाकथित बुकाधारी नेताओं ने गुरु साहब के सवा लाख से एक लड़ाऊं के फलसफे के विपरीत रेडियो 600 एएम के सीनियर पत्रकार सुधीर कौशल, रेडियो इंडिया के पाल वडैच, हरखौर सिंह बत्तरा, जतिंद्र मरवाहा, जतिंद्र सिंह अटवाल (जिनके सिर पर राड से हमला किया गया)पर हमला किया गया।

बात यहीं नहीं खत्म होती खालिस्तानी समर्थकों की ओर से मौके पर उपस्थित सिख मेहमानों तथा हिंदू महिलाओं के कपड़े भी फाड़े गये (यहां तक कि एक हिन्दू लड़की की ब्रा तक खींची गयी)। सिख कौम के महान शहीद भाई केहर सिंह (इंदिरा गांधी हत्याकांड) के नजदीकी रिश्तेदार की बहु-बेटियों को गालियां निकाल कर बेइज्जत किया गया तथा मौके पर उपस्थित अन्य मेहमानों की कारों भी बुरी तरह से तोड़ी गयीं।

यह कितनी दुर्भाग्यपूर्ण तथा सिख

कौम के लिए फिक्रमंदी वाली बात है कि हमारे गुरुद्वारा साहिबान का प्रबंध फिर से ऐसे मसदों के हाथ में चला गया है, जो निजी हितों के लिए इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसी शरारतों के लिए लोअर मेनलैंड के बीसी सिख काँसिल में शरीफ गुरुद्वारा साहिबान के सभी प्रबंधक जिम्मेदार हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि कैनेडियन पंजाबी सिख राजनेताओं को 14,000 किलोमीटर दूर भारत में हुई किसी भी कार्रवाई की तो फिक्र है, मगर अपनी नाक के नीचे सरी में हुई ऐसी घटनाओं की कोई पीड़ा या

फिक्र नहीं। यहां पर सिखों के भेस में एजेंसियों के पेड़ लोगों द्वारा भारतीयों विशेष कर सिखों पर हमले किये जा रहे हैं। इन सभी संगठनों के प्रमुख एजेंसियों के सम्पर्क में हैं। इन दोहरे किरदार वाले लोगों से जवाब तलबी होनी चाहिए।

छोटे-छोटे मसलों को उजागर करने वाले लोग आज मौन हैं। कुछ देश विरोधी मीडिया की ओर से इस मुद्दे पर निम्न दर्जे की पत्रकारिता का सबूत देते हुए तथ्यों को तोड़ने की कोशिश की गयी। रेडियो इंडिया हमेशा ही खालिस्तान के तथाकथित नेताओं की गुंडागर्दी का पर्दाफाश करने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा। खालिस्तानी स्वयंभू नेता विदेशों में खालिस्तान की मांग का प्रचार करते हैं। मगर भारत में जाकर भारतीय संविधान तथा कानूनों को मानते हैं। ऐसे नेता कभी भी इंकार नहीं कर सकते कि वे भारतीय एजेंसियों के सम्पर्क में नहीं हैं। फिर हम साबित करेंगे कि इनमें से कौन-कौन किस से मुलाकात करता है और यहां आकर खालिस्तान की बात करता है।

‘सिख्स फॉर जस्टिस’ के मायके भारत में हैं। यदि यह बात नहीं मानते तो सार्वजनिक बहस में हम यह साबित करने के लिए तैयार हैं। ऐसे लोगों से सिख संगत को सवाल पूछना चाहिए कि कौम को गुमराह कर जगह-जगह प्रदर्शन करने वाले इन स्वयंभू नेताओं ने कभी कोई ज्ञान क्यों नहीं दिया? सच्चाई यह है कि ऐसे लोग किसी भी मुद्दे का हल नहीं चाहते, बल्कि प्रदर्शनों के द्वारा अपनी दुकान चालू रखना चाहते हैं। खालिस्तानी नेता अभी तक एक भी प्राणित सिख संगत के समक्ष नहीं रख सकते।

(लेखक : फ्रेड्स ऑफ कनाडा-इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं।)

कपाली पुलिस ने बाइक सवार को दबोचा तलाशी में नाइन एमएम की पिस्टल बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला- खरसावां जिले के कपाली ओपी अंतर्गत पुराना टीओपी चौक के आगे पुलिस ने एक बाइक सवार युवक को धर दबोचा तलाशी लेने पर बैग में रखा 9 एमएम का पिस्टल बरामद किया गया, जिसे विधिवत गिरफ्तार करते हुए पुछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। चाँदिल एसडीपीओ संजय कुमार सिंह ने बताया कि कपाली पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक काले रंग के अपाची मोटरसाइकिल जिसका नंबर जेएच डऽ सीएफ- 4997 है, जो तमोलिया की तरफ से कपाली की ओर आ रहा है, जो सॉरिंथ जान पड़ता है। तभी कपाली ओपी प्रभारी सुनील कुमार भोक्ता के नेतृत्व में एक टीम गठित की गयी



और काले रंग की अपाची मोटरसाइकिल की तलाश की गयी, तभी वहां से तेज रफ्तार से एक काले रंग की अपाची मोटरसाइकिल पर एक युवक पुलिस को देखते ही पुराना टीओपी चौक की ओर भागने लगा। भागने के क्रम में कपाली पुलिस द्वारा धर दबोचा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से पुलिस ने 9 एमएम की पिस्टल बरामद की।

पकड़ा गया युवक कपाली के इस्लामनगर निवासी असलम खान

उर्फ मोटा सोनू है, जो जमशेदपुर के बागबेड़ा थाना में शाहनवाज नामक युवक की हत्या का आरोपी है। पुलिस को काफी दिनों से सोनू की गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। छापेमारी दल मेंओपी प्रभारी सुनील कुमार भोक्ता, सब इंस्पेक्टर मोहम्मद कासिम, सब इंस्पेक्टर दिनेश कुमार, सब इंस्पेक्टर भीम लाल पासवान, हवलदार बासुदेव प्रसाद समेत शस्त्र बल मौजूद थे।

कालेश्वर महादेव धाम की चड़क पूजा में विधायक हुए शामिल



आजाद सिपाही संवाददाता

पोटका। पूर्वी सिंहभूम जिले के विधानसभा स्थित हाथीबिंधा पंचायत के श्रीश्री कालेश्वर महादेव धाम में चड़क पूजा हर्ष उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। शुक्रवार को चड़क पूजा में मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक संजोय सरदार शामिल हुए। इस दौरान विधायक ने पाताल से उगा हुआ अन्नभू 200 साल पुराना शिव लिंग का पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों के लिए सुख समृद्धि की कामना की।

इस मौके पर जिला परिषद हीरगणमय दास, मुखिया श्रीकृष्णा मुंडा, झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष चक्रधर महतो, डोमजूरी मुखिया अनिता मुर्मु, वार्ड सदस्य सुलेखा महतो, झामुमो नेता नरेश भक्त, बीरसिंह महतो, पुजारी जार्जन सिंह, कमेटी के सदस्य सुभाष मुंडा, हरेंद्रनाथ कश्यप, सूरज महतो, भुवन महतो, अशोक महतो, देवराज मांडी, गणेश कर्मकार, शैलेन पात्र, विकास सरदार, संदीप मुंडा सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल रहे।

भीमराव आंबेडकर की जयंती पर चेतना मंच ने बच्चों के बीच काँपी-पेंसिल वितरित की

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। झारखंड चेतना मंच के द्वारा आदित्यपुर रेलवे कॉलोनी शिव दुर्गा साई मंदिर में बाबा साहब भीम राव आंबेडकर की जयंती मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान चेतना मंच के अध्यक्ष सुरेश धारी के नेतृत्व में बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। मौके पर सैकड़ों बच्चों के बीच काँपी पेंसिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरायकेला प्रखंड विकाश पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार, विशिष्ट अतिथि विजय मिश्रा, सम्मानित अतिथि में अशोक चौधरी, रविंद्र नाथ चौबे उपस्थित रहे। मौके पर अतिथियों ने बाबा



साहब के विचारों पर चलने की बात कही। मृत्युंजय कुमार ने कहा कि आज के समय में नफरत बढ़ सरायकेला प्रखंड विकाश पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार, विशिष्ट अतिथि विजय मिश्रा, सम्मानित अतिथि में अशोक चौधरी, रविंद्र नाथ चौबे उपस्थित रहे। मौके पर अतिथियों ने बाबा

अपील की। कार्यक्रम में मनोज सिंह, श्रीराम ठाकुर, सतीश शर्मा, लक्ष्मण प्रसाद, सरोज कुमार, रामशंकर पांडे, अनिल सिंह, महेंद्र यादव, शिव शंकर यादव, निरंजन, मुकेश श्रीवास्तव, राकेश कुमार, संगीता प्रधान, सविता, रामाशीष यादव आदि उपस्थित रहे।

एससी-एसटी-ओबीसी समन्वय समिति ने निकाली अधिकार शोभायात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। एससी एसटी ओबीसी समन्वय समिति ने डॉ भीमराव अंबेडकर की 132वीं जयंती पर गायत्री स्कूल परिसर से विशाल अधिकार यात्रा निकाली। शुक्रवार को यात्रा जागृति मैदान पहुंच कर अंबजी ने बाबा साहेब के प्रतिमा पर बारी बारी से फूल माला चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित की। अधिकार यात्रा में हजारों की संख्या में महिला व पुरुष शामिल रहे। इस अवसर पर घोड़ा गाड़ी सजा रथ, बैड बाजे के साथ सैकड़ों लोग शामिल रहे। यात्रा अम्बेडकर चौक पहुंचने के बाद झंडोलन किया गया। मंच पर नगर पंचद के पूर्व उपाध्यक्ष पुंरंद नारायण सिंह, महिला नेत्री श्रीमती शारदा देवी, पूर्व डीएसपी सरयू पासवान, सरायकेला बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष



अधिवक्ता ओम प्रकाश, रजक समाज के अध्यक्ष दुगाराम बैठा, चौरसिया समाज के अध्यक्ष मनोज चौरसिया, डॉ रंजनी भूषण, आदिवासी समन्वय समिति के खिरोड सरदार मुखी, उषेंद्र रजक, रामानंद प्रसाद, मुखी समाज के सुरेश मुखी, यादव समन्वय समिति के एसएन यादव, नाई जागृति संघ के रामजी शर्मा शामिल रहे। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा

संयुक्त रूप से आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया गया। इससे पूर्व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मौके पर आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुंरंद नारायण सिंह ने कहा बाबासाहेब के जयंती पूरे देश में मनाया जा रहा है। आज के दिन से देश में एसटी एससी ओबीसी एवं सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए निजी क्षेत्रों में आरक्षण लागू होना

चाहए। इस मांग को लेकर संघर्ष तेज करना होगा। उन्होंने कहा जातीय जनगणना कर जिसकी आबादी जितनी उसकी उतनी हिस्सेदारी के तर्ज पर सरकारी, निजी एवं शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण लागू किया जाये। उन्होंने कहा नगर निकाय एवं पंचायतों के तर्ज पर लोकसभा एवं विधानसभा में भी महिलाओं के लिए 50% सीटें आरक्षित की जाये। साथ ही महिलाओं के लिए आरक्षित 50% सीटों में आबादी के आधार पर एसटी एससी ओबीसी एवं सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की जाये। उन्होंने कहा सरकारी ठेकों, दवा दुकान के लाइसेंस सहित अन्य प्रॉफिट वाले क्षेत्रों में एसटी एससी ओबीसी एवं सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की जाए। महिला नेत्री शारदा देवी ने कहा

अब भी डॉ भीमराव अंबेडकर का सपना अधूरा है। अधिवक्ता ओम प्रकाश ने कहा बाबा साहेब के संविधान को अब भी जन जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में पार्षद पांडी मुखी, खिरोड सरदार, रामानंद प्रसाद, मनोज पासवान, अधिवक्ता ओम प्रकाश, उमाशंकर राम, रामजी शर्मा, रामाशीष यादव, शैलेन्द्र फौजी, इंजीनियर अशोक कुमार, अनिल कुमार, सुशील मंडल, देव प्रकाश देवता, छोटेलाल पासवान, रंजीत दास, अर्जुन कुमार, संतोष पासवान, नीतीश कुमार, रविशंकर पासवान, चन्मू पासवान, अनिल मुखी, अजित कुमार साह, राज रजक, विजय कुमार बैठा, रोशन पासवान, अधिवक्ता संजय कुमार, सविता साव, मिसर वंसरिवार, आरक्षण की व्यवस्था की जाए। महिला नेत्री शारदा देवी ने कहा

बैसाखी के मौके पर पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने सीजीपीसी को भेंट की एंबुलेंस

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने बैसाखी सह खालस सोजन दिवस पर जमशेदपुर में सिखों की सिरमौर संस्था सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को जनकल्याण कार्य के लिए एम्बुलेंस भेंट की। शुक्रवार को सीजीपीसी कार्यालय में पहुंचकर कुणाल षाड़ंगी ने एंबुलेंस की चाबी सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह को सौंपी। झारखंड प्रदेश गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार शैलेन्द्र सिंह, सीजीपीसी के संरक्षक गुरदीप सिंह पप्पू, साकची गुरुद्वारा के प्रधान निशान सिंह, सीजीपीसी के महासचिव अमरजोत सिंह, सलाहकार गुरचरण सिंह बिल्ला, परविंदर सिंह सोहल, गुरशरण सिंह,



कुलविंदर सिंह पन्नु, सुखविंदर सिंह राजू, दलजीत सिंह, सुखदेव सिंह बिट्टू आदि उपस्थित थे। आगाज संस्था के हरविंदर सिंह, इंदरजीत सिंह, सत्प्रीत सिंह, हरविंदर सिंह, संतोक सिंह, अमनजोत सिंह, धवल सेठ व सूर्या राव भी इस पुनीत कार्य के गवाह बने।

कुणाल षाड़ंगी ने कहा कि सिख कौम अपनी सेवा भाव के लिए जानी जाती है और उनके इस सेवा भावना से जुड़कर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा वे अपने आप को बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। कुणाल षाड़ंगी ने आगे भी अपना सहयोग जारी रखने की बात भी कही। भगवान सिंह ने कुणाल षाड़ंगी द्वारा दी हुई एम्बुलेंस के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच का संचालन सरदार शैलेन्द्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन महासचिव अमरजोत सिंह ने किया।

डकरा में मनायी गयी भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती

खलारी (आजाद सिपाही)। एससी एसटी ओबीसी एकता मंच के तत्वावधान में शुक्रवार को डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती डकरा आंबेडकर पार्क में मनाई गई। कार्यक्रम में केंडीएच पीओ जे अब्राहम के अलावा पुरनाडीह पीओ नरेश सिंह, रैयत विस्थापित मोर्चा अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता, जिला परिषद सदस्य सरस्वती देवी, प्रखंड प्रमुख सोनी तिग्गा, इंदिरा देवी, एडवोकेट समीर कुमार, पूर्व विधायक रामचन्द्र नायक उपस्थित थे। सबसे पहले सभी अतिथियों ने भीमराव आंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता देवपाल मुंडा एव संचालन महेंद्र उरांव एव कन्हैया पासी ने किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने नीला गमछी देकर सभी का स्वागत किया। बच्चियों ने सांस्कृतिक नृत्य पेश किया। वहीं, कलाकारों ने कई गीत संगीत पेश किया। मौके पर मुखिया तेजी किस्पोट्टा, आशा देवी, मलका मुंडा, अमृत भोगता, बहुरा मुंडा, अमरप्री राम, नरेश गंडू, रंथू उरांव, मिथिलेश पासवान, राम लखन गंडू, गोल्लेन यादव, जगन्नाथ महतो, अनिल पासवान आदि थे।

खूंटी में जय भारत सत्याग्रह कार्यक्रम अभियान में गरजे कांग्रेसी नेता 2024 का लोकसभा चुनाव तय करेगा देश की दशा व दिशा : अविनाश पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता
खूंटी। 2024 का लोकसभा चुनाव निर्णायक होगा, जो देश के भविष्य की दशा और दिशा तय करेगा। हमें आज ही से दिल्ली में बैठी अलोकतांत्रिक सरकार को न सिर्फ उखाड़कर फेंकना है, बल्कि इस देश में लोकतंत्र में विश्वास रखने वाली एक मजबूत लोकतांत्रिक और संविधान पर विश्वास रखने वाली सरकार बनानी है। उक्त बातें कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय ने कही। वे शुक्रवार को खूंटी क्लब में जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आयोजित जय भारत सत्याग्रह कार्यक्रम अभियान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में नफरत फैलाने वाली शक्तियों से



जय भारत सत्याग्रह कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, राजेश ठाकुर, बंधु तिरकी, सुबोधकांत सहाय व अन्य।

हमारी लड़ाई चल रही है, जिसका नेतृत्व राहुल गांधी कर रहे हैं। वे इस कार्यक्रम के माध्यम से लोकतंत्र एवं संविधान को बचाने निकले हैं। इससे भाजपा की बेचैनी बढ़ गयी और केंद्र में बैठी सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए राहुल गांधी पर सीधा हमला कर दिया। राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म

करवा दी। उन्होंने कहा कि संसद में अडाणी मुद्दे पर राहुल गांधी पड़े गये सीधे सवाल से सरकार चबरा गयी और सवाल का जवाब देने के बदले केंद्र सरकार जनता का ध्यान भटकाने में जुट गयी। कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार अयोध्या आयातकाल लागू करना चाहती है। पर कांग्रेस उसके मंजूवे को कभी सफल होने नहीं देगी। कहा कि

राहुल गांधी देश की जनता की आवाज उठाते रहेंगे। कार्यक्रम को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिरकी, राज्य के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक कालीचरण मुंडा, पीटर मुंडू, जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा आदि ने भी संबोधित किया। इससे पूर्व

तमाड़ में चैत महापूजा विधि-विधान के साथ संपन्न

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ प्रखंड क्षेत्र के पुन्डीदीरी गांव में चैत महा पूजा विधि विधान के साथ संपन्न हुआ। पहले दिन नदी में स्नान करने के बाद नये वस्त्र धारण कर भोलेनाथ के प्रति भक्ति भाव को दर्शाते हुए नदी से जमीन पर लेटते हुए मंडप तक जाते हैं। दूसरे दिन नो परिया घट जिसमें विधि विधान के साथ मां पार्वती के रूप में मुख्य पाठ भोक्ता द्वारा घट मांथे पर रखकर मंडप तक लाया गया। इस बीच कई बार बीच रास्ते में पाठ भोक्ता मूर्छित हो जाता है। घट के दरम्यान शिव बरात में विभिन्न प्रकार के भेषभूषा में भूत प्रेत के रूप में विधि के अनुसार लोग शामिल हुए। तीसरा दिन पूजन और रात्रि में छऊ नृत्य कला का आयोजन हुआ। रात 12 बजे के बाद नदी से मुख्य पाठ भोक्ता द्वारा काली मां के रूप में मां काली का कोलिका घट लाया गया। चौथे दिन कलश यात्रा एवं पांचवे दिन छठी के साथ पांच दिवसीय चैत महा पर्व संपन्न हुआ। वहीं, कार्यक्रम को सफल बनाने में मुखिया लक्ष्मी कान्त मुंडा, हीरा लाल दास, बुधराम मुंडा, राम मोहन स्वान्सी, प्रेम गौतम, अजय स्वान्सी, माहेश्वर मुंडा, रमोजान कसेरा, आशीष गुप्ता, त्रिलोचन मुंडा के अलावे समस्त ग्राम वासीयों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

40 फिट ऊपर शिव भक्तों ने किया भोक्ता झूलन

राहे (आजाद सिपाही)। चैत संक्रांति पर मनाने वाला लोक सांस्कृतिक का पर्व चैत पर्व शुक्रवार को पूरे क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रखंड के गोवाली, नुरू और दारहा गांव में भोक्ता झूलन का आयोजन किया गया। गुरुवार रात को तीनों गांव में आकर्षक छऊ नृत्य हुआ। गुरुवार सुबह भोक्ता झूलन के साथ भोक्ता का समूह दहकते अंगारे पर नंगे पांव चले और 40 फुट ऊपर रस्सी के सहारे सभी को झुलाया गया। भोक्ता झूलन को देखने लोग काफी संख्या में आये। बंगाल के सुप्रसिद्ध छऊ नृत्य दल द्वारा आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया। मौके पर काफी संख्या में समाजसेवी और कलाप्रेमी उपस्थित थे।

बुंडू के सोनेट क्रिकेट क्लब के चंदन कुमार और सुप्रिया रानी का चयन

बुंडू (आजाद सिपाही)। सोनेट क्रिकेट क्लब बुंडू के चंदन कुमार और सुप्रिया रानी का चयन हुआ। चंदन कुमार का अंडर-16 रांची डिस्ट्रिक्ट टीम में हुआ चयन, जबकि सुप्रिया रानी का विमेंस सीनियर लोहरदगा डिस्ट्रिक्ट टीम में हुआ चयन है। जिसमें क्षेत्र में खुशी की लहर है। शनिवार को टीम के साथ लातेहार में खेलने के लिए रवाना होगी। बुंडू सोनेट क्रिकेट क्लब के संचालक जीतू कुमार ने दोनों खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस राज्य और देश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दी हैं। क्लब के कोच अहरनाम अंसारी, विष्णू स्वांसी, राजेश गुप्ता, चंचल भट्टाचार्य, एसपी गौतम, सुब्रतो घोष, अजात शत्रु, अशोक महतो, चैता महतो, शिव महतो, चंद्रकांत महतो, मंगला देवी, भूमिका देवी, सुनीता लोदा और सीमा सिंह ने भी शुभकामनाएं दी।

तुमांग पंचायत में मनायी गयी डॉ आंबेडकर की जयंती



खलारी (आजाद सिपाही)। तुमांग पंचायत में डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोहिणी पीओ दिलीप कुमार सिंह, जिला परिषद सदस्य सरस्वती देवी, मुखिया संतोष कुमार महली एव पंचायत समिति सदस्य सहदेव महली ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसकी अध्यक्षता सरजू सिंह और संचालन सागर रवि ने किया। सभी अतिथियों को नीला गमछा पहनाकर स्वागत किया गया। सुल्तान अंसारी ने आंबेडकर की जीवन संघर्ष से संबंधित गीत प्रस्तुत किया। वहीं बच्चों को नैविता वर्मा ने अंबेडकर की जीवनी पर भाषण प्रस्तुत किया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर ने भारत संविधान लिखा और उसमें वंचित समाज के लिए कानूनी अधिकार दिए। इस अवसर पर मुखिया संतोष कुमार महली, पंचायत समिति सदस्य सहदेव महली, उप मुखिया कोलेश्वर मुंडा, रामजी यादव, विनोद कुमार राम, बलराम राम, अमृत भोगता, ध्वजा राम धोबी, रमेश भोगता, गोपाल सिंह, उमाकांत सिंह, दिनेशर सिंह, अभय नारायण राम, बबलू उरांव, प्रदीप कुमार सिंह, नंदू मेहता, महेंद्र यादव, विशाल पासवान, धर्मेन्द्र पासवान, लालन राम, सुरेश मुंडा, कृष्णा राम, रोहित राम, गोपाल सिंह, दिलीप राम, संजय साव, सागर रवि, किसुन मुंडा, प्रमोद कुमार, जसवंत पाण्डेय, राघवेंद्र पासवान, संजय राम, नरेश गंडू, जगजीवन राम, जीवलाल, धीरू राम सहित कई लोग मौजूद थे।

श्रद्धापूर्वक मनायी गयी बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। भारतीय संविधान की रचना में अहम भूमिका निभाने वाले बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती पर शुक्रवार को विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भाजपा जिला कार्यालय में अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष योगेंद्र नायक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता और सांसद के जिला प्रतिनिधि मनोज कुमार ने बाबा साहेब के व्यक्तित्व एवं कृत्विक पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में लखिंदर नायक, कृष्णानन्द तिवारी, सुदर्शन भोगता, प्रेम साहू, भोला साहू, धीरज गुप्ता, अनूप साहू, रिंतेशा भगत, सन्नी गुप्ता, विश्वनाथ गुप्ता, अविनाश सोनी आदि उपस्थित थे। वहीं, खूंटी जिला यूथ कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष अरुण संग के नेतृत्व में हटार के कपरिया गांव में बाबा भीमराव आंबेडकर की



जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। अरुण सांगा ने बाबा भीमराव आंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबासाहेब ने विभिन्न जाति, धर्म एवं वर्गों में विभक्त देशवासियों के लिए जैसा संविधान बनाया है, वह बेमिसाल है। संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता हर प्रकार की कुर्बानियां देने को तैयार हैं। इस मौके पर खूंटी प्रखंड अध्यक्ष अनमोल धान, बहा मुंडा, एंजिला हंस, दशरथ, राजू, निर्मल, बदलेन, निकोदिन, आदि कार्यकर्ता मौजूद थे। वहीं, असंगठित कामगार मोटिया मजदूर किसान संघ द्वारा खूंटी डाक बंगला में आंबेडकर जयंती उत्सव के रूप में मनाया गया। डालसा के सचिव मनोरंजन कुमार ने बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश

डालते हुए उपस्थित मजदूरों को कानून की जानकारी दी। संघ के अध्यक्ष सयूम अंसारी ने भी बाबासाहेब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए मजदूरों से कानून को हाथ में नहीं लेने और संविधान की रक्षा करने की अपील की। इस मौके पर संरक्षक गोपाल भगत, मुरहु प्रखंड अध्यक्ष बबलू नायक, धर्मेन्द्र मांझी, करं प्रखंड अध्यक्ष मंसूर आलम, गोपाल महतो, पवन महतो, कुलदीप महतो, बजरंग महतो, विनोद महतो, सुनीता देवी, गागी देवी, निकदिन हेमरोम, रुखिया मुंडा, विनोद कुमार भगत, बिरसा मुंडा, सुनील नायक, राजेश्वर महतो, शांति देवी, सुनीता देवी आदि उपस्थित थे। दूसरी ओर, रिक्शा मोटिया मजदूर संघ एवं चासी नायक समाज जिला कमेटी खूंटी के पूर्व अध्यक्ष विनय

नायक के नेतृत्व में डॉ भीम राव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। मौके पर सावन नायक, बंटी नायक, मुकेश नायक, बजरंग नायक, जलेश नायक, अमर नायक, चरकू नायक, मंडली नायक, दिलीप नायक, बुचा नायक, हीरू नायक, डोमना नायक, सज्जन नायक, करिया नायक, अमर नायक, राजा नायक आदि उपस्थित थे। वहीं, मुरहु स्थित शेर सबसेस कोचिंग सेंटर 0 में भारतीय संविधान के निमार्ता तथा ज्ञान के प्रतीक डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयंती को ज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर की गई। संस्थान के निदेशक सकलदीप भगत ने कहा कि बाबा साहेब एक लोकप्रिय समाज सुधारक, अर्थशास्त्री व राजनीतिज्ञ और संविधान निर्माता थे। एक दलित परिवार में जन्म लेने के कारण उनको समाज और स्कूल में छुआछूत का सामना करना पड़ा। उसके बावजूद अपनी पढ़ाई के दम पर उनके पास 32 डिग्रियां थीं और वे नौ भाषाओं के ज्ञाता थे।

भाकपा माओवादी के बंद का पिपरवार में मिलाजुला असर

पिपरवार (आजाद सिपाही)। नक्सली संगठन भाकपा माओवादी की ओर से आहूत दो दिवसीय झारखंड-बिहार बंद का सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में शुक्रवार को मिलाजुला असर

दिखा। कुछ दुकानें खुली तो कुछ पर ताला लटका दिया। कोयला खदानों में सामान्य रूप से खनन होता रहा। जबकि रात्रि में कोयला दुलाई बंद रही। अशोका से अरसीएम साईडिंग और सीएचपी से बचरा एवं राजधर

साईडिंग में रात्रि में कोयला दुलाई का कार्य पूरी तरह से बंद रहा। वहीं लोकल सेल कांटा घरों में सन्नाटा पसर रहा। बंद को लेकर पिपरवार पुलिस पूरी तरह से सतर्क दिखी। पिपरवार थाना प्रभारी गोविंद कुमार

के नेतृत्व में पुलिस बल की टीम पूरे क्षेत्र का गस्त करती रही। ज्ञात हो कि चतरा में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में पांच नक्सलियों मौत के बाद माओवादियों ने दो दिन तक झारखंड बिहार बंद का आह्वान किया है।

पिपरवार में जगह-जगह मनायी मयी संविधान रचयिता डॉ आंबेडकर की जयंती बाबा साहेब के सपनों को करना होगा साकार : सीबी सहाय

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। संविधान के रचयिता व भारत रत्न विधिवेत्ता, राजनीतिज्ञ डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती शुक्रवार को सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र व आसपास के इलाकों में धूमधाम से मनायी गयी। बाबा साहेब को याद करते हुए कोयलांचल के लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बचरा आंबेडकर चौक में कोल इंडिया एससी एसटी इम्प्लोईज एसोसिएशन सिस्टा द्वारा भव्य जयंती समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता कामेश्वर राम और संचालन उमेश मेहता ने किया। मुख्य अतिथि पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक सीबी सहाय एवं विशिष्ट अतिथि में कार्मिक एवं प्रशासनिक अधिकारी आलोक मनीष सोय, सीएचपी पीओ धनंजय कुमार ने संयुक्त रूप से



दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। जिसके बाद बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीएम सीबी सहाय ने कहा कि बाबा साहेब के संदेश ने देश को एक सूत्र में बांधने का काम किया है। उनके कार्यों को देश कभी नहीं भूला सकता है। वर्तमान में उनके दिखाये मार्ग पर चलकर उनके अच्युत सपनों को साकार करने की जरूरत है। इस मौके पर झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष

गुंजन कुमारी सिंह, कांग्रेस प्रदेश सचिव पंकी सिंह, बचरा दक्षिणी मुखिया रीना देवी, डीएवी प्राचार्य राजीव रंजन झा, आरबी प्रसाद, मुद्दीका प्रसाद, संजीव मिश्रा, विनोद सिंह, एसडी राम सहित कई लोग मौजूद थे। वहीं, दूसरी ओर, कामेश्वर राम, बाबूलाल राम, नागेश्वर राम, टिकेश्वर ठाकुर, आईडी मेहता, संतोष राम, कौशल प्रसाद, ललिनद्र कुमार, बसंत कुमार, हिमांशु चाटर, गंगा राम सहित अन्य लोगों की सराहनीय भूमिका रही।

के नेतृत्व में पुलिस बल की टीम पूरे क्षेत्र का गस्त करती रही। ज्ञात हो कि चतरा में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में पांच नक्सलियों मौत के बाद माओवादियों ने दो दिन तक झारखंड बिहार बंद का आह्वान किया है।

डीएवी बचरा में मनायी गयी जयंती

डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य राजीव रंजन झा ने दीप प्रज्वलित कर व बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। छत्र सिंह कुमार ने बाबा साहेब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य ने बाबा साहेब आंबेडकर के जीवन के संघर्ष को याद किया। इस मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक और बच्चे मौजूद थे। इधर बेंती पंचायत भवन में भी डॉक्टर भीमराव आंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर मुखिया सरिता देवी, पंसस कुमारी अनुप्रिया सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

सावडीह गांव में दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलकर भक्तों ने की भगवान शिव की उपासना

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सावडीह गांव में शुक्रवार को शिव उपासना का महापर्व मंडा धूमधाम से मनाया गया। शिव भक्तों ने दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलकर फुलखुंदी रस्म को पूरा किया। वहीं शिव भक्तों को पीठ पर लोहे की कील चुभोकर झुला झूलाया गया। रात को झूमर नाच एवं छऊ नृत्य का आयोजन हुआ। रात भर दर्शकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लिया। समिति के कामेश्वर सिंह मानवी ने कहा कि मंडा आस्था का पर्व है। मंडा पर्व में झारखंड की सभ्यता व संस्कृति झलकती है। उन्होंने कहा की ऐसे मेले का आयोजन इसलिए किया जाता है ताकि हमारे क्षेत्र की जनता आस्था और विश्वास से जुड़कर रहे।

कर्तव्य निष्ठा की प्रतिमूर्ति थे बाबा साहेब : दमयंती मुंडा

बुंडू (आजाद सिपाही)। बिरसा विकास समिति के तत्वाधान में शुक्रवार को बुंडू स्थित अरुणालय बैंकट हॉल में बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती को समानता दिवस के रूप में मनाया गया। समिति के संरक्षक रतन सिंह मुण्डा एवं दमयंती मुण्डा ने दीप प्रज्वलित कर बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर एवं घरती आबा बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूर्व मुखिया दमयंती मुंडा ने कहा कि बाबासाहेब, सामाजिक समरसता, समानता एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रतिमूर्ति थे। समारोह में दिवाकर मुंडा, प्रवीण कच्छप, शांति शर्देईया, एतवा उरांव, सरजीत मिर्धा, कमलाकांत महतो ने भी अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिरसा प्रगतिशील समिति के अध्यक्ष रीता मुंडा एवं संचालन सचिव मदन कुमार महतो ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन भागीरथ मुंडा ने किया। दूसरी ओर सामाजिक समरसता विभाग खूंटी जिला की ओर से स्थानीय बेसरा टोली (सेवा बस्ती) बुडू ब्लॉक रोड में डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती मनायी गयी। उक्त समारोह में स्थानीय बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजीव लोचन ने की। उन्होंने बाबा साहेब के जीवन और कुत्रित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि डॉक्टर आंबेडकर संविधान निर्माता होने के साथ ही एक सच्चे समाज सेवक भी थे, जिन्होंने विभिन्न जातियों में बटे दलित हिंदुओं के उत्थान के लिये संविधान को बहुआयामी बनाया। महिलाओं के विकास में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हिंदुओं के ही एक घटक बौद्ध पंथ के माध्यम से उन्होंने दया, अहिंसा, प्रेम, भाईचारा व समाजिक समरसता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। बैठक में समाजिक समरसता खूंटी जिला संयोजक मानस कुमार, नगर कार्यवाहक कमलेश कुमार, सेवा प्रमुख प्रेम कुमार, शारीरिक प्रमुख जगतपाल, बौद्धिक प्रमुख मंतोस कुमार, अधिवक्ता अनुप जयसवाल, अरविंद जयसवाल सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बुंडू में फुलखुंदी के साथ भोगता पर्व संपन्न

बुंडू (आजाद सिपाही)। पांच परगना का प्रसिद्ध त्योहार भोगता पर्व शुक्रवार को फुलखुंदी के साथ संपन्न हुई। बुंडू व आसपास के इलाकों में भोक्ता पर्व पर शिव भक्तों द्वारा जलती आग पर चलकर भक्ति की परीक्षा दी जाती है। इस अवसर पर महिला पुरुष जलती आग पर चलते हैं। बुंडू के रानी चूआ गोसाईंईह राधा रानी मंदिर पर सुबह जलती आग पर शिव भक्तों ने चलकर भक्ति की परीक्षा दी। इस मौके पर रानी चूआ में मेला का भी आयोजन किया गया। साथ ही गोसाईंईह में संध्या के समय छऊ नृत्य का आयोजन किया गया है।

तमाड़ में आजसू ने मनायी बाबा साहेब की जयंती

तमाड़ (आजाद सिपाही)। डॉ भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर तमाड़ प्रखंड के सारजमडीह स्थित प्रतिमा पर आजसू के तमाड़ विधानसभा प्रभारी राम दुर्लभ सिंह मुंडा ने माल्यार्पण कर नमन किया। मौके पर तमाड़ प्रखंड प्रभारी श्याम महतो, पार्टी के वरिष्ठ नेता मानवी किजय सिंह, तमाड़ प्रखंड अध्यक्ष पश्चिमी जयदीश गुप्ता जी, प्रेम कुमार गुप्ता, राम महतो, गंभीर महतो और पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद थे। दूसरी ओर, सारजमडीह पंचायत सचिवालय में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती पर हरिजन बस्ती में बाबा साहेब जनजागरण मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा के साथ कुमार महेंद्र नाथ शाहदेव, विनोद सिंह, जिला परिषद सदस्य दिलीप सेठ, किजय मानवी, गोलक दास अधिकारी, मुखिया धनसिंह मुंडा, शिव शंकर सेठ, राजकिशोर सिंह, सदानंद सेठ, श्रीम सिंह मुंडा विवेक जयशवाल आदि ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

सोनाहातू-राहे में मनायी गयी भीमराव आंबेडकर की जयंती

सोनाहातू/राहे (आजाद सिपाही)। भारत के संविधान निर्माता, बोधिसत्व बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर जयंती सोनाहातू और राहे प्रखंड के कई स्थानों में धूमधाम से मनायी गयी। सोनाहातू के जामुदाग कॉलोनी में नेपाल नायक के नेतृत्व में बाबा साहेब की जयंती मनायी गयी। वहीं, गलऊ पंचायत में मुखिया सावना महली के नेतृत्व में जयंती मनायी गयी। भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलेश्वर कोर्डरी के नेतृत्व में जामुदाग के बूथ 220 में जयंती मनायी गयी। इधर, राहे प्रखंड के रामडेरा में आंबेडकर के प्रतिमा पर आजसू प्रखंड अध्यक्ष रंग बहादुर महतो, मुखिया पांडू मुंडा के नेतृत्व में लोगों ने माल्यार्पण किया। राहे गडबाड़ी मैदान में आंबेडकर विचार मंच की ओर से सभा आयोजित कर आंबेडकर जयंती मनायी गयी। इस दौरान जुलूस निकाला गया। डॉ परमेश्वर लाल ने नेतृत्व में सभा का आयोजन किया गया। मौके पर काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पिपरवार के मस्जिदों में अदा की गयी रमजान महीने के चौथे जुमे की नमाज



पिपरवार (आजाद सिपाही)। इबादत का महीना माह रमजान का आखिरी असरा चल रहा है। रमजान महीने में जुमे का काफी महत्व माना गया है, ऐसे में पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में शुक्रवार को पवित्र रमजान महीने के चौथे जुमे की नमाज अदा की गई। बचरा जामा मस्जिद में जुमे की नमाज अदा करने के लिए लोगों की काफी भीड़ देखी गई। नमाज से पूर्व अपने तकरीर मे बचरा जामा मस्जिद के ईमाम हाफिज मुस्ताज ने फितरा, जकात, रोजा और नमाज पर प्रकाश डाला। कहा कि माह रमजान में अधिक से अधिक नेक काम करने से अल्लाह बंदो की गुनाहो को माफ करता है। रमजान के महीने में रोजा रखने, नमाज और कुरान पढ़ने के अलावा जकात और फितरा को भी विशेष महत्व दिया गया है। इसे मुस्लिम का फर्ज बताया गया है। फितरा एवं जकात के माध्यम से गरीब और असहाय लोगों की मदद की जाती है, इसलिए फितरा और जकात निकालना जरूरी है। जकात निकालने से घरों में बरकत होती है और फितरा निकालने से घरों से आफत एवं परेशानी दूर होती है। जुमे की नमाज के बाद उन्होंने क्षेत्र, राज्य एवं देश की खुशहाली के लिए दुआ की। क्षेत्र के बचरा, बहेरा, राय, कल्याणपूर, न्यूमंगरदाहा, पुरानीराय सहित कोयलांचल क्षेत्र के सभी मस्जिदों में रमजान महीने के चौथे जुमे की नमाज अदा की गई।

पांच परगना में धूमधाम से मना सतुवान पर्व

बुंडू (आजाद सिपाही)। पूरे पांच परगना क्षेत्र में शुक्रवार को सतुवान पर्व धूमधाम से मनाया गया। लोगों ने अपने-अपने घरों में आम और सत्तू का सेवन किया। लोग शुक्रवाक की सुबह-सुबह स्नान ध्यान कर पूजा पाठ करने के बाद सत्तू और आम का सेवन किया।

महोत्सव का आयोजन किया गया

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। श्री महावीर पूजा समिति मुंडा टोली पिठोरिया के द्वारा मुंडा टोली में नवनिर्मित महावीर मंदिर के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में महोत्सव का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 6 बजे कलश यात्रा के साथ हुई। यात्रा में सैकड़ों महिलाओं एवं लड़कियों ने भाग लिया। पूरे गांव भ्रमण के बाद मंदिर परिसर में कलश यात्रा की समाप्ति हुई। तत्पश्चात हनुमान चालीसा पाठ का विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम की समाप्ति पर कीर्तन और भंडारा का विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूरे गांव के सनातन धर्मावलंबी सम्मिलित हुए। आयोजन में पूजा समिति के सभी पदाधिकारी एवं सक्रिय सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा।

आंबेडकर जयंती सह विद्यालय का स्थापना दिवस मना



अनगड़ा (आजाद सिपाही)। टाटीसिलवे के नवमी डोल मेला स्थित डॉ भीमराव आंबेडकर चौक में शुक्रवार को आजसू नेता राजू नायक की अध्यक्षता में आजसू कार्यकर्ताओं द्वारा बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम और सामारोह पूर्वक मनाई गई। मौके पर आजसू सुप्रीमों एवं पूर्व डिप्टी सीएम सुदेश कुमार महतो सहित सैकड़ों आजसू कार्यकर्ताओं ने डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। इससे पहले केक काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम आयोजन समिति के अध्यक्ष सह आजसू पार्टी के जिला सचिव राजू नायक के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में खिजरी विधानसभा क्षेत्र के नामकुम, अनगड़ा, ओरमांडी प्रखण्ड समेत अन्य क्षेत्रों से सैकड़ों आजसू कार्यकर्ता शामिल हुए। मौके पर सुदेश कुमार महतो ने कहा कि बाबा साहेब का सपना था कि भारत का हर नागरिक शिक्षित बने तभी उनके सपनों के भारत की कल्पना की जा सकती है और लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक करके एवं शिक्षित करके ही बाबा साहेब के सपनों के भारत का निर्माण किया जा सकता

चटकपुर में 27 महिलाओं के बीच निःशुल्क लकड़ी चूल्हा का वितरण



नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम प्रखंड के कुटियातु पंचायत अंतर्गत चटकपुर गांव में रहने वाली महिलाओं को खाना पकाने में सुविधा दिलाने के उद्देश्य से कोर काबोर्नेक्स सॉल्यूशंस प्रा. लि. कंपनी की ओर से लकड़ी चूल्हा का निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा रांची ग्रामीण मंत्री सह सांसद प्रतिनिधि प्रशासनिक विभाग खिजरी अशोक नायक ने की। इस दौरान चटकपुर में निवास करने वाली गरीबी रेखा के नीचे गुजर-बसर करने वाली 27 महिलाओं ने कतारबद्ध होकर लकड़ी का चूल्हा प्राप्त किया। संस्था के झारखंड प्रमुख मनोज कुमार ने बताया कि गांवों में रहने वाले लोगों की स्थिति और उनकी परेशानियों को देखते हुये कंपनी यह अभियान चला रही है। कहा कि इसे चुल्हे के उपयोग से महिलाओं को सुविधा मिलेगी और कम लकड़ी में ही खाना पका सकेगी। जिससे पर्यावरण की भी रक्षा होगी। अशोक नायक ने कहा कि कंपनी की तरफ से गरीबों को लकड़ी चूल्हा की व्यवस्था की गयी है। गरीब गैस चूल्हा नहीं खरीद पाते हैं। ऐसी स्थिति में लकड़ी का चूल्हा गैस लोगों की जरूरत भी बन गयी है। बताया कि खिजरी प्रखंड के हर पंचायत में हर गरीब के घर तक लकड़ी चूल्हा पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इस मौके पर गांव की सैकड़ों महिलाएं उपस्थित थीं।

तीन दिवसीय महाआंदोलन के दौरान संपूर्ण झारखंड के साथ टाटीसिलवे भी बंद रहेगा : सुमित

नामकुम (आजाद सिपाही)। झारखंड स्टेट स्टूडेंट युनियन के बैनर तले 60/40 नियोजन नीति के खिलाफ 17, 18, 19 तारीख का महाआंदोलन ऐतिहासिक होगा। तैयरी को लेकर शुक्रवार को स्थानीय झरफ मैदान में बैठक किया गया। जिसमें युनियन के छात्र नेता देवेन्द्र नाथ महतो, योगेश भारती, लकी रामु, रविंद्र कुमार महतो सूरज मंडल आदि शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुये देवेन्द्र ने कहा कि 17 तारीख को मुख्यमंत्री आवास घेराव ऐतिहासिक होगा। वहीं स्थानीय क्रांतिकारी सुमित कुमार महतो ने कहा कि 19 अप्रैल को झारखंड बंद के दौरान टाटीसिलवे आस-पास के सभी फैक्ट्री एवं बाजार हाट बंद रहेगा। मौके पर राजेश बैटा, मुकेश महतो उर्फ मिक्की, झारखंड आंदोलन कारी लखींद्र महतो, गोविंद महतो एवं सैकड़ों ग्रामीण युवा शामिल हुए।

परेशानी : कागजों ने 'सोखा' नल का जल, जनता रह गयी प्यासी

कहीं सूखी है टंकी तो कहीं प्यासा है नल, हाल बेहाल

अनुज कुमार गुप्ता

बेड़ो (आजाद सिपाही)। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक घर-घर नल जल योजना हकीकत से कोसों दूर है। विभाग द्वारा फाइलों में योजना को शत-प्रतिशत पूरा करने का दावा किया गया है लेकिन जमीन पर इसकी हालत काफी बदतर है। कहीं जलमीनार पर पानी की सूखी टंकी बदेहाली की कहानी कह रही है तो कहीं सूखे नल बता रहे हैं कि योजना में भारी पैमाने पर अनियमितता बरती गई है। हद तो तब हो गई जब पाइपलाइन योजना को बिना किसी के घर पहुंचाए ही पूरा करने का दावा कागजों पर कर



दिया गया। घर की जगह सड़क किनारे नल कनेक्शन लगा दिया गया। यह तो केवल हाथी के दिखाने के दांत जैसे हैं। अनियमितता के बीच योजना पूरा को का प्रतिवेदन सरकार को समर्पित कर विभागीय प्रतिनिधि एक

आजसू पार्टी ने टाटीसिलवे में धूमधाम से मनायी संविधान निर्माता बाबा साहेब की जयंती

लोगों को शिक्षित करके ही बाबा साहेब के सपनों के भारत का निर्माण किया जा सकता है : सुदेश

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। टाटीसिलवे के नवमी डोल मेला स्थित डॉ भीमराव आंबेडकर चौक में शुक्रवार को आजसू नेता राजू नायक की अध्यक्षता में आजसू कार्यकर्ताओं द्वारा बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम और सामारोह पूर्वक मनाई गई। मौके पर आजसू सुप्रीमों एवं पूर्व डिप्टी सीएम सुदेश कुमार महतो सहित सैकड़ों आजसू कार्यकर्ताओं ने डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। इससे पहले केक काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम आयोजन समिति के अध्यक्ष सह आजसू पार्टी के जिला सचिव राजू नायक के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में खिजरी विधानसभा क्षेत्र के नामकुम, अनगड़ा, ओरमांडी प्रखण्ड समेत अन्य क्षेत्रों से सैकड़ों आजसू कार्यकर्ता शामिल हुए। मौके पर सुदेश कुमार महतो ने कहा कि बाबा साहेब का सपना था कि भारत का हर नागरिक शिक्षित बने तभी उनके सपनों के भारत की कल्पना की जा सकती है और लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक करके एवं शिक्षित करके ही बाबा साहेब के सपनों के भारत का निर्माण किया जा सकता



कार्यक्रम को सफल बनाने में इनका रहा योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष राजू नायक, मानव राम, बंटी नायक, मुकेश कुमार नायक, किशन नायक, पिंदू कुमार नायक, राहुल राम, दीवान शाही मानकी, प्रदीप जायसवाल, प्रदीप राजा नायक, छोटू नायक, रोशन कुमार नायक, अजय नायक, लक्की नायक आदि का सराहनीय योगदान रहा।

है। उन्होंने लोगों को बाबा साहेब के जीवन संघर्ष, आदर्श, विचार एवं व्यक्तित्व को जीवन में आत्मसात करने का आहवान किया। इस अवसर पर आजसू पार्टी की ओर से सैकड़ों गरीब असहाय लोगों के बीच धोती-साड़ी एवं मानव राम द्वारा गमझा

का वितरण किया गया। इस अवसर आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सह जपि सदस्य राजेंद्र शाही मुंडा, विरेंद्र सिंह भोगता, जिला प्रवक्ता रोशनलाल मुण्डा, खिजरी विस के पूर्व आजसू प्रत्याशी पारसनाथ उरांव, उपसमूह वीणा देवी, जयपाल हजाम,

वाइबीएन यूनिवर्सिटी की डॉ अर्पणा शर्मा को मिला नारी गौरव सम्मान



नामकुम (आजाद सिपाही)। वाइबीएन विश्वविद्यालय के डॉ अर्पणा शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर बॉटनी एवं डीन छात्र कल्याण विभाग को नारी गौरव सम्मान 2023 से नवाजा गया है। डॉ अर्पणा शर्मा को यह सम्मान नव्या फाउंडेशन ने दिया है। यह पुरस्कार उनके स्टर्लिंग योग्यता, उत्कृष्ट प्रदर्शन और महिलाओं के सर्वाधिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और राष्ट्रीय व्यक्तिगत उपलब्धि, बौद्धिक उत्कृष्टता और राष्ट्रीय विकास की प्रगति के लिये शुक्रवार को दीक्षा विज्ञान केंद्र, एक विश्वविद्यालय के लिये सभागार से ऑनलाइन दिया गया। प्रतीक स्वरूप उन्हें एक मेडल, मोमेंटो और सर्टिफिकेट से

नवाजा गया। डॉ अर्पणा शर्मा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता को दिया। साथ ही सभी बड़ों के आशीर्वाद एवं ईश्वर की कृपा बताया है। इस उपलब्धि के लिए वाइबीएन विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर रामजी यादव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी इंजीनियर दीपक कुमार, कुलपति प्रोफेसर डॉ.एसपी यादव, रजिस्ट्रार डॉ. रमन दुबे, डिप्टी रजिस्ट्रार संजय तिवारी, एचआर निदेशक अरविंद कुमार, सभी संकाय के डीन और एचओडी ने डॉ अर्पणा शर्मा को इस उपलब्धि के लिये बधाई एवं शुभकामना देते हुये उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पत्नी के प्रेमी की टांगी से काट कर पति ने की हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र के सारंगलोथा में नामजन बरला की हत्या टांगी से काट कर दी गयी। वहीं घटना की सूचना पाकर लापुंग पुलिस एवं डीएसपी एवं पुलिस टीम ने पहुंचकर जांच किया साथ ही डॉंग स्ववायड की टीम भी बुलायी गयी है। हत्या में प्रयुक्त टांगी, खून लगा कपड़ा पुलिस ने बरामद किया है। साथ ही हत्या के आरोपी अमृत होरो को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रेम प्रसंग को लेकर हत्या की गयी है, इस मामले में महिला के पति अमृत होरो को पकड़ कर पुलिस थाने ले गयी है एवं मामला की तहकीकात की जा रही है। हालांकि पुलिस ने गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक का अमृत होरो की पत्नी के साथ प्रेम प्रसंग का मामला चल रहा था। इसे लेकर पुर्व में गांव में ही ग्राम सभा की भी बैठक हुई थी। और मामले में मृतक से दस हजार रुपये की जुर्माना भी लिया गया थी, लेकिन महिला के पति अमृत होरो से नाराज था। और मौका मिलते ही हत्या कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है।

डॉ आंबेडकर की जयंती मनायी गयी

इटकी (आजाद सिपाही)। तिलकसुती स्थित पाइन क्रैस्ट पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को कार्यक्रम आयोजित कर देश के संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम में उनके तस्वीर पर फूल-माला चढ़ाये गये एवं संविधान के चारों में बच्चों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम में स्कूल के निदेशक संजय बैटा एवं प्राचार्य विक्की आनंद रजक सहित अन्य शामिल थे।

रोजेदारों ने जुमे की नमाज में भाग लिया

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी क्षेत्र के मुख्य जामा मस्जिद सहित क्षेत्र के जामा मस्जिद, मदीना मस्जिद, जाफर मस्जिद,सैयदा मस्जिद, उममे सलमा मस्जिद, मस्जिदे आयशा सहित अन्य मस्जिदों में काफी तादाद में रोजेदारों ने जुमे की नमाज में भाग लिया। मौके पर तकरीर में मौलाना ने रमजान माह की रहमत, बरकत,व फजौलत की विस्तृत जानकारी दी। अन्य सभी मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। कई नमाजी नये वस्त्रों में नमाज में शामिल हुए।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

रातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के झखराटांड में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार की बताई जा रही है। मृतिका की पहचान राम गढ़ जिले के गिद्धी निवासी कैलाश सोनी की 30 वर्षीय पत्नी रानी देवी के रूप में हुई। वर्तमान में वह झखरा टांड निवासी उमेश साहू के मकान में किराये में रहते थीं। मृतिका के दो पुत्री भी है। घटना के समय घर में कोई नहीं था। घर के अंदर से दरवाजा बंद था। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस दरवाजा तोड़कर घर के अंदर पहुंची तो मृतिका सोनी देवी का शव घर के एंगल में लगे फंखे में दुपटा के सहारे शव को लटकता हुआ पाया। पुलिस ने शव को नीचे उतारा व पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही।

समाज सुधारक आंबेडकर की जयंती मनायी



पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। जोहार पार्टी की ओर से शुक्रवार को नगड़ी नारों बाजार के समीप देश के महान समाज सुधारक सह संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती मनायी गई। मौके पर प्रखंड के सैकड़ों बुजुर्गों (महिला, पुरुष)का सम्मान समारोह किया गया। इस अवसर पर बुजुर्गों का पैर धोवन किया गया.और सम्मान पूर्वक धोती, गंजी, तौलिया और साड़ी डेकर चरण स्पृश किया। मौके पर जोहार पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष कुशवाहा विजय कुमार महतो ने कहा कि आज के दौर में विश्व के महान सुधारक बाबा साहेब आंबेडकर के मार्गदर्शन से समाज कल्याण किया जा सकता है आज के समय में उच्च शिक्षा बच्चा ले रहे हैं लेकिन सामाजिकता और संस्कृति को भूलते जा रहे हैं जो हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। समाज के नये बच्चे अपने माता-पिता को सम्मान दें और सम्मान पाये समाज के अधिभावकों से कहा कि वृद्ध आश्रम का प्रचलन को बंद करने का पहल करें। कुशवाहा विजय महतो ने अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं से कहा कि आप बाबा साहेब के संदेश को जन जन तक पहुंचने का संकल्प लें मौके पर विभिन्न गांवों के दर्जनों युवाओं ने जोहार पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर सुखदेव साहू, केदार साहू, शिव शंकर महतो, दिनेश केसरी, मोहन अंसारी, लक्ष्मण किस्पोड़ा, संतोष महतो, दिपक प्रजापति, शुभम कुमार, बप्पी कच्छप, विजय महतो, रणजीत प्रजापति, सतीश प्रजापति, सुमन कच्छप, बजरंग महतो, प्रवेश केशरी, राम महतो, सोनू महतो, कपिल महतो, सोनू नम, मनीष राम सहित जोहार पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। डॉ एनके मेहता मेमोरियल अस्पताल नगड़ी में निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर सह मुफ्त दवा वितरण, मुफ्त ब्लड प्रेशर जांच, शुगर जांच कराया गया। डॉ स्व. एनके मेहता क्षेत्र को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि के क्षेत्र में नए आयाम को हासिल करते हुए अपना संपूर्ण जीवन समाज की भलाई के लिए लगा दिए. मुफ्त चिकित्सा शिविर में मुख्य रूप से डॉ अजय कुमार राज, डॉ विवेक, डॉ रूपक, डॉ दीपिका पूर्णिमा, डॉ धीरेंद्र, डॉ रंजीत सर, मुस्लिम अंसारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

जय भारत सत्याग्रह महासभा को सफल बनाने के लिए की बैठक

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष सहावौर लोहरा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आगामी 16 अप्रैल को जय भारत सत्याग्रह महासभा को सफल बनाने के लिए तैयारी को लेकर विचार विमर्श किया गया। इसमें जिला उपाध्यक्ष सह कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर एनुल हक ने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नगड़ी प्रखंड से सबसे ज्यादा कार्यकर्ता भाग लेंगे। बैठक में शामिल जिला प्रवक्ता संजय सरैया, फिरोज आलम, अख्तर अंसारी, तरुण तिकरी, मकसूद अंसारी, शेख आलम, समीर अंसारी, उषा देवी, मुराशि आलम, शक्ति महतो, शाहिद, अनीता तिकरी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्कैटिंग प्रतियोगिता में शामिल होने हिलाचल जा रहे बच्चों को शुभकामनाएं देकर विदा किया अत्याधुनिक गांधी उद्यान का जल्द होगा शुभारंभ: महापौर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम की महापौर अरुणा शंकर ने शहर के गांधी उद्यान में निगम की ओर से निर्मित भारतीय स्तर का स्केटिंग जॉन जिसका नामकरण वैभव सिंघानिया स्केटिंग जॉन रखा गया है का 10 दिनों के अंदर उद्घाटन करने की घोषणा की। साथ ही स्केटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने हिमाचल जा रहे मेदिनीनगर के बच्चों से मिलीं और सभी को शुभकामना देकर विदा किया। महापौर ने कहा कि वर्षों से हमारे शहर में ना तो कोई खेलकूद का मैदान था ना कोई पार्क। इसी का



कार्यक्रम में उपस्थित महापौर अरुणा शंकर व अन्य।

नतीजा है कि शहर का एक होनहार बच्चा वैभव सिंघानिया अपने भाई के साथ कचहरी चौक पर स्केटिंग करते हुए दुर्घटना का शिकार हो गया। तभी मैंने निर्णय लिया कि बच्चों के लिए एक शानदार पार्क बनवाऊंगी जिसमें

शहर के बच्चों को सुपुर्द किया जाएगा। महापौर ने गांधी उद्यान के बारे में बताते हुए कहा कि इस उद्यान में जहां बच्चों के लिए वाकिंग ट्रैक, बुजुर्गों को बैठने के लिए रंग-बिरंगे शोड और योगा स्थल बनाए गए हैं। वहीं बच्चों के लिए टॉय ट्रेन, मल्टी प्ले स्टेशन, कॉकपिट, झूले, तरह-तरह के शीशा, जिराफ और कई तरह के आकर्षक गेम्स लगाए जा रहे हैं। महापौर ने बताया कि इस मैदान में एक 500 लोगों का स्टेज एवं लाइट युक्त मैदान का भी निर्माण कराया गया है जहां शनिवार, रविवार या छुट्टी के दिन स्थानीय

कलाकारों द्वारा लाइव म्यूजिकल शो भी शाम को पांच से रात नौ बजे तक होगा। जहां छोटे-छोटे बच्चे ट्रैक पर आकर गाना गा सकते, डांस परफॉर्म कर सकते और नाटक का भी आनंद लिया जा सकता है। महापौर ने कहा कि इस गांधी उद्यान में जहां फूल पत्ती और अमेरिकन ग्रास लगाए गए हैं जाने के लिए प्रवेश शुल्क 10 साल के बच्चों को निःशुल्क रखा है, जबकि 10 साल से ऊपर के लिए 10 रुपये टिकट दर निर्धारित किया गया है।

बाबा साहेब के दिखाये मार्ग का अनुशरण करने की जरूरत: दीपक

आंबेडकर संघर्ष समिति हरिहरगंज के बैनर तले 132 वीं जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 132 वीं जयंती पर शुक्रवार को आंबेडकर संघर्ष समिति के बैनर तले श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर की गई। इससे पहले प्रखण्ड क्षेत्र के ढकचा, सलैया, सरसोत, सेमरवार, कटैया आदि पंचायतों से सैकड़ों की संख्या में जय भीम नारे के साथ बाईक जुलूस निकाली गई। एनएच 98 से शहर के झंडा चौक, मेन बाजार, पीपल चौक सतगांवा होते सीता प्लस टू हाई स्कूल के मैदान में आयोजित सभा में तब्दील हुई। जहां बाबा साहेब द्वारा किए गए कार्यों को वक्ताओं ने पेश किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब का उद्देश्य केवल दलित हित ही नहीं, बल्कि



बाईक व मंच पर शामिल भीम समर्थक।

जातिप्रथा के जहर का विनाश था। लेकिन आज भी मनुवादी व सामंतवादी विचार धारा के लोग बोलते कुछ करते कुछ हैं। आज ही के दिन सतगांवा रोड स्थित बाबा साहेब के आत्मकद प्रतिमा स्थापित करने के लिए विधायक कमलेश कुमार सिंह द्वारा भूमि पूजन किया जाना था। पर मनुवादी व्यवस्था के लोगों ने अचानक भूमि पर 144 धारा लागवा दी है। सामंतवादी विचारा धारा के लोगों ने बाबा साहेब के प्रतिमा लगाने से रोका है। हमलोग बाबा साहेब के अनुवायी हैं। कानून निमाता के

सम्मान देते हुए कानून से जवाब देने का काम करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार रवि व मंच का संचालन डॉ नरेन्द्र प्रियदर्शी ने किया। इस मौके पर पूर्व जीप सदस्या आशा कुमारी, उपाध्यक्ष इसरार आलम, सचिव अभिषेक सज्जन, अशोक कुमार मेहता, कोषाध्यक्ष सुशिल कुमार रवि, सुरजमल राम, रवि कुमार, बालचंद राम, शिक्षक अर्जुन राम, सीता राम रवि सहित बड़ी संख्या में भीम प्रेमी शामिल थे।

बाबा साहेब के पदचिह्नों पर चलने का लिया गया संकल्प



बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते नयं अध्यक्ष, प्रखंड प्रमुख व अन्य।

आजाद सिपाही संवाददाता हुसैनाबाद। भारत के संविधान के रचयिता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर शुक्रवार को शहर के अंबेडकर चौक स्थित आदमकद प्रतिमा पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं-कार्यकर्ताओं व समाजसेवकों ने माल्यार्पण कर नमन किया। भाजपा हुसैनाबाद इकाई की ओर से रविंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में अंबेडकर जयंती को माल्यार्पण कर संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। गणमान्य लोगों ने बाबा साहेब के पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया। इसमें पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन

मेहता, नयं अध्यक्ष शशि कुमार, प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी, नयं उपाध्यक्ष गयासुद्दीन सिद्दीकी, समाजसेवी एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, कलामुदीन खान, जाकिर अली उर्फ राज अली, कमाख्या नारायण सिंह, रामप्रवेश सिंह, अखिलेश मेहता, अजय प्रसाद गुप्ता, सुबोध कश्यप, सचिन आनंद, दिनेश कुमार गुप्ता, अक्षय मेहता, वीरेंद्र राम, भीम दशाल रमन, रामप्रवेश राम, मुखिया नरेश कुमार पासवान, पंसस कलावती देवी, सुनील सिंह, रविंजन चौधरी, रीना देवी, कन्हैया मेहता, श्रवण अग्रवाल और मुखिया श्रवण राम आदि शामिल हैं।

पांकी विधायक ने 42 जातियों के बुजुर्गों की पैर पूजा कर किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

नीलांबर पितांबरपुर/पलामू। पांकी विधानसभा अंतगत नीलांबर पितांबरपुर (लेस्लीगंज) पुराना ब्लॉक के परिसर में पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की 132 वीं जयंती समारोह के अवसर पर सामाजिक समरसता दिवस मनाया। कार्यक्रम के पूर्व बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने अपने विधानसभा क्षेत्र के 42 जातियों के बुजुर्ग व्यक्तियों के पैर पूजा कर एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। सभी बुजुर्गों को एक साथ बैठा कर भोजन कराया। उन्होंने कहा कि भीमराव अंबेडकर का पूरा जीवन संघर्षत रहा है। उन्होंने भारत के आजादी के बाद देश के



संविधान निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया है। बाबा साहेब ने कमजोर और पिछड़े वर्ग के अधिकार के लिए पूरा जीवन आगे भी अनवरत चलते रहेगा। भाजपा जिला अध्यक्ष विजयानन्द पाठक ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर संविधान निर्माता थे। भारत का पहला कानून मंत्री भी रह चुके थे। उन्होंने 42 जातियों के पैर पूजा कार्यक्रम करने के

इसी कारण से डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती को सामाजिक समरसता दिवस मनाने का कार्य कर रहा हूँ। यह कार्यक्रम आगे भी अनवरत चलते रहेगा। भाजपा जिला अध्यक्ष विजयानन्द पाठक ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर संविधान निर्माता थे। भारत का पहला कानून मंत्री भी रह चुके थे। उन्होंने 42 जातियों के पैर पूजा कार्यक्रम करने के

लिए विधायक डॉ मेहता की जमकर तारीफ किया। मौके पर जिला महामंत्री सुरेन्द्र विश्वकर्मा, श्यामनारायण दुबे, जितेंद्र तिवारी, श्यामनंदन ओझा, प्रोफेसर बच्चन ठाकुर, संजय चंद्रवंशी, रंजय ठाकुर, शत्रुघ्न सिंह, लाला यादव, प्रकाश मेहता, सुनील प्रसाद गुप्ता, मनोज सिन्हा, अजित प्रसाद गुप्ता तथा हजारों के संख्या में लोग उपस्थित थे।

अग्नि से सुरक्षा और सतर्कता मनुष्य के लिए बेहद जरूरी : अशोक गुप्ता



ग्रासिम इंडस्ट्रीज केमिकल डिवीजन में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता मेदिनीनगर। रेहला स्थित ग्रासिम इंडस्ट्रीज केमिकल डिवीजन में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। शुक्रवार से 20 अप्रैल तक कारखाना के मुख्य अग्निशमन केंद्र स्थल में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कारखाना प्रमुख अशोक कुमार गुप्ता, एचआर हेड अजीत तिवारी, वित्त विभाग के प्रमुख शिवम पाठक एवं टेक्निकल प्रमुख हरदीप कोहली ने दीप प्रज्वलित कर किया। कारखाना प्रमुख श्री गुप्ता ने 14 अप्रैल 1944 को मुंबई डॉकयार्ड में हुए भीषण अग्निफौज में शहीद हुए अग्नि कर्मचारियों को याद किया और श्रद्धासुमन अर्पित किया। तत्पश्चात अग्निफौज में मारे गए 71 अग्नि कर्मचारियों के याद में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा एक मिम्ट का मौन रखा गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अग्नि से सुरक्षा और सतर्कता मानव के

लिए बहुत जरूरी है। इससे बचाओ के लिए समय समय पर जागरूकता अभियान और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए। वहीं, अजीत तिवारी ने कहा कि हमारा संस्थान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि अपने आस पास के गांव-शहर में भी आग की सूचना मिलने पर अपना अग्निशमन दस्ता उपलब्ध कराते है। बीते वर्ष हमारे अग्निशमन दस्ता ने आस पास के 42 आग की घटना को सफलता पूर्वक निरांत्रित कर खत्म किया। एक सप्ताह तक चलने वाले इस आयोजन में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर कर्मचारियों को कामगारों को जागरूक किया जाएगा। इसके साथ कॉलोनी परिसर में गृहणियों को भी घरेलू फायर से बचाओ को लेकर प्रशिक्षित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सेपटी प्रमुख विक्रम मणि, सीएसओ बिपिन दीक्षित, लाइजन पदाधिकारी नितेश कुमार पाण्डेय, सुरेश कोप, अनिल गिरी, सोनू दिहम आदि लोग उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में चौकीदार घायल

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। सड़क दुर्घटना में अमित कुमार पासवान नामक एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जो पेशे से चौकीदार है। घटना हुसैनाबाद सिटी क्षेत्र में गुरुवार की देर रात की बताई जा रही है। घायल अमित को पुलिस की मदद से हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए मेदिनीनगर एमएमसीएच रेफर कर दिया। चिकित्सक के अनुसार उसका पैर टूट गया है। जानकारों के अनुसार अवैध बालू लंदे ट्रैक्टर से धक्का लगने के कारण घटना होने की सूचना है।

लंबित आवास योजना को लेकर एसडीओ ने किया महदंड पंचायत का निरीक्षण

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री आवास योजना को पूरा करने के लिए स्थानीय पदाधिकारी लाभुको के घर पहुंचकर पूर्ण कराने का निर्देश दे रहे हैं। इस कड़ी में शुक्रवार को एसडीओ कमलेश्वर नारायण सुदूरवर्ती महदंड पंचायत पहुंचे। जहां लाभुको के अधूरे आवास की स्थिति का जायजा लिया। महदंड पंचायत में लंबित आवासों की संख्या 72 है। उन्होंने सभी



लाभुको को अप्रैल महीने के अंत तक आवास योजना का ढलाई कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। ऐसा नहीं करने पर राशि की वसूली करने का निर्देश दिया।

वहीं, बीडीओ रतन कुमार डंडिला पंचायत पहुंचे व कई गांव में भ्रमण कर 50 लंबित आवास योजना के लाभुको को आवास पूर्ण करने का निर्देश दिया। जबकि सीओ नंद कुमार राम जमुआ पंचायत में अधूरे आवास के स्थिति की जानकारी ली। जहां लंबित आवास की संख्या 67 है। दूसरी ओर, पंचायती राज्य प्रखंड समन्वयक राजू रिंजन कुमार, बीपीओ विष्णु प्रताप मिश्रा, मनरेगा

सहायक अभियंता अमित मेहता, प्रखंड कृषि पदाधिकारी अविनाश कुमार, आवास कोऑर्डिनेटर अजय कुमार ने क्रमशः बडेपुर, बनियाडाह बराही, झारगड़ा, पथरा, उरद्वार मंजुरहा पंचायतों में जाकर लंबित आवास योजना की जानकारी लेते हुए यथासोन्न कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। इस मौके पर मुखिया पति शिव शंकर यादव समेत कई लाभुक व ग्रामीण मौजूद थे।

स्पोर्ट्स



सऊदी अरब ने आइपीएल मालिकों को देश में दुनिया की सबसे अमीर टी-20 लीग स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए आइपीएल मालिकों और बीसीसीएल को सेटअप जमाने के लिए मना भी रहा है।



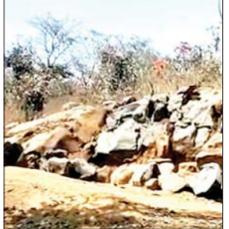
हुसैनाबाद के मधेया पहाड़ को बचाने के लिए 57 वें दिन भी धरना जारी



57 दिनों से धरने पर बैठे लोग।

आजाद सिपाही संवाददाता पलामू। जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के मधेया पहाड़ को बचाने के लिए स्थानीय लोगों की ओर से जारी अनिश्चित कालीन धरना शुक्रवार को 57 वें दिन भी जारी रहा। मधेया पहाड़ के आसपास 6 पत्थर माईंस आर्बाइत है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सभी लीज सरकारी नियमों को ताक पर रखकर और झूठे रिपोर्ट पर आर्बाइत किये गये हैं। पिछले कई

छतरपुर में अवैध खनन पर नहीं लग पाया विराम



पलामू (आजाद सिपाही)। छतरपुर में वनक्षेत्र से अवैध खनन का सिलसिला बदेरतूर जारी है। सिलदाग, चेराई, हुदुकदाग, रुदवा और कवल पंचायत में वनक्षेत्र में अवैध कर्ष पहाड़ियां अवैध खनन के कारण तबाह हो चुकी हैं। वन विभाग की सक्रियता अब भी इस मामले में कहीं नहीं दिखती। छतरपुर अनुमंडल क्षेत्र के करीब 5 दर्जन क़सरों के पास अपना लीज नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि वे वैध लीजधारी से पत्थर खरीदते हैं। अगर सचमुच ऐसा है तो दर्जनों पहाड़ियों में लगातार जारी अवैध पत्थर तुड़ाई बंद हो जाने चाहिये थे।

एजेंसी

सऊदी अरब। सऊदी अरब दुनिया की सबसे अमीर टी-20 लीग शुरू करने की योजना बना रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) 2023 दुनिया की सबसे आकर्षक टी-20 लीग बनी हुई है। चाहे वह फ़ाइनेंस के मामले में हो या वर्ल्ड लेबल खिलाड़ियों की भागीदारी, या सोशल मीडिया पर इसकी उपस्थिति हो। दुनिया भर में अन्य टी-20 लीगों की तुलना में आइपीएल सबसे आगे रहता है। हालांकि, चीजें जल्द ही बदल सकती हैं क्योंकि सऊदी अरब ने आइपीएल मालिकों को देश में 'दुनिया की सबसे अमीर टी-20 लीग' स्थापित करने का प्रस्ताव



दिया है। फुटबॉल और फॉर्मूला-1 जैसे दूसरे खेलों में भारी निवेश करने के बाद सऊदी अरब की नजर अब क्रिकेट पर है। मौजूदा समय में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) भारतीय खिलाड़ियों को किसी भी विदेशी लीग में भाग लेने से रोकता है। हालांकि, सऊदी अरब सरकार के नए टी-20 लीग को स्थापित करने

के प्रस्ताव के बाद बोर्ड इस नियम में बदलाव कर सकता है। आइसीसी से लेनी होगी अनुमति

मोडिया रिपोर्ट के मुताबिक, करीब एक साल से इस विषय पर बातचीत चल रही है। लेकिन, इस मामले में कुछ भी कन्फर्म करने से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) से अनुमति लेनी होगी। हाल ही में आइसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने क्रिकेट में सऊदी अरब की रुचि की पुष्टि की थी। बार्कले ने कहा था कि यदि आप अन्य खेलों को देखें, जिसमें वे शामिल रहे हैं तो मुझे लगता है कि क्रिकेट उनके लिए आकर्षक होगा। आम तौर पर खेल में उनकी उन्नति को देखते हुए

हमारा मकसद सऊदी अरब को एक ग्लोबल क्रिकेट डेस्टिनेशन बनाना

सऊदी अरब क्रिकेट फेडरेशन के अध्यक्ष प्रिंस सऊद बिन मिशाल अल-सऊद ने पिछले महीने अरब न्यूज को बताया था कि हमारा मकसद किंगडम में रहने वाले स्थानीय लोगों और प्रवासियों के लिए एक स्थायी उद्योग बनाना और सऊदी अरब को एक ग्लोबल क्रिकेट डेस्टिनेशन बनाना है। सऊदी अरब के लिए क्रिकेट काफी अच्छा काम करेगा। उन्होंने आगे कहा कि वे क्रिकेट में निवेश करने के लिए काफी उत्सुक हैं।



दिल्ली में इलाज के दौरान पिछरी के सीआरपीएफ जवान की हुई मौत

पिछरी/बेरमो (आजाद सिपाही)। पेटरवार प्रखंड में पिछरी के



करनडीह निवासी सीआरपीएफ जवान उमेश कुमार रविदास का दिल्ली में इलाज के दौरान गुरुवार को निधन हो गया। शुकवार को सीआरपीएफ के अधिकारी रांची हवाई अड्डे से शव को लेकर करनडीह पिछरी पहुंचे। जहां सम्मान में जवानों ने सलामी दी। मृत जवान का शव करनडीह पहुंचते ही पूरा गांव गमगीन हो गया। बता दें कि उमेश रविदास गढ़वा में कॉन्स्टेबल के पद पर कार्यरत थे। तीन माह से ब्रेन की बीमारी से ग्रसित होने पर दिल्ली में उसका इलाज चल रहा था। रांची से आये सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर निर्मल केरकेड्डा ने पिछरी में शव सुपुर्द किया। पिछरी हिंदुस्तान पुल स्थित दामोदर नदी श्मशान घाट में सशस्त्र सलामी देकर अंतिम संस्कार किया गया। मौके पर सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर बिजेन्द्र सिंह शेखावत, सब इंस्पेक्टर केके सिंह, पेटरवार थाना प्रभारी विनय कुमार आदि थे।

डीसी-एसपी ने डॉ भीम राव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन, कहा- बाबा साहब के विचारों को आत्मसात कर उनके दिखाये मार्ग पर चलने की जरूरत



बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन करते डीसी, एसपी व अन्य।

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती अवसर पर बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-चार स्थित बाबा साहब की आदमकद प्रतिमा पर डीसी कुलदीप चौधरी, एसपी चंदन झा,

डीडीसी कीर्तीश्री जी, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार आदि वरिय पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। डीसी कुलदीप चौधरी एवं एसपी चंदन झा ने आमजनों को बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर के दिखाए

अपने उत्कृष्ट विचारधारा के लिए पूरे विश्व में जाने जाते थे बाब साहेब : सचिव

बोकारो (आजाद सिपाही)। जिला आजसू जिला इकाई ने सेल एडमिन बिल्डिंग के पास शुकवार को भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती मनायी गई। जिसकी अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष सचिन महतो ने किया। उन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। उन्होंने कहा कि बाबा भीम राव आंबेडकर के विचार एक स्वस्थ, शिक्षित और सुदृढ़ समाज के लिए अनुकरणीय रहे हैं। भारत ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व में बाबा साहब अपने उत्कृष्ट विचारधारा के लिए जाने जाते थे। उन्होंने हमेशा शिक्षा और संगठित रहने पर बल दिया। उनकी संविधान रचना के कारण भारत आज विश्व में एक मजबूत लोकतंत्र के रूप में विख्यात है। ऐसे महापुरुष विरले ही जन्म लेते हैं। इस मौके पर आजसू जिला उपाध्यक्ष अनिल झा, जिला सचिव प्रभात मिश्रा, छात्र संघ जिला अध्यक्ष तापेश महतो, युधिष्ठिर महतो, रमेश सिंह, सरजू महतो, मुन्ना ओझा, विकास सिंह, सरबजीत पांडे, अखिलेश पांडे, विजय पांडे, हर्ष तिवारी, कौशल कुमार, नवीन सिंह, सुमित डे, सिद्धू पांडे, दुष्यंत डे आदि उपस्थित थे।



मार्ग पर चलने एवं उनके विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने की बात कही। साथ ही, संविधान में दिए गए अधिकारों एवं

नियमों का अनुपालन करने को कहा। इस मौके पर डीपीएलआर मेनका, अपर समाहर्ता सादात अनवर, जिला परिवहन पदाधिकारी संजीव कुमार ने भी डॉ भीमराव आंबेडकर की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर के बताये मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

आजाद सिपाही टीम

धनबाद। कोयलांचल धनबाद में शुकवार को भारत के प्रथम कानून मंत्री व भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जिले के दर्जनों शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित कर बाबा साहेब को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वहीं विभिन्न राजनीतिक दलों व समाजसेवियों ने भी बाबा साहेब की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प दोहराया।

जयंती के मौके पर डीआरएम चौक स्थित बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा पर जिला प्रशासन की ओर से एसएसपी संजीव कुमार, डीडीसी शशि प्रकाश सिंह, डीआरडीए निदेशक मुमताज अली अहमद, अपर समाहर्ता नंदकिशोर गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों ने उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके अलावे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, सामाजिक संस्था हाड़ी जाती समाज सुधार समिति, बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर जयंती समारोह समिति द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

लोयाबाद में गाजे बाजे के साथ निकाली गयी झांकी

भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के 132 वे जन्मदिन के अवसर पर शुकवार को गाजे बाजे के साथ झांकी निकाली गई। एकड़ा मोड़ से निकली झांकी लोयाबाद

कोयलांचल में हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी बाबा साहेब की 132वीं जयंती



नीरज सिंह आज भी सभी के दिलों में जीवित है : पूर्णिमा नीरज सिंह

जोड़ापोखर/झरिया (आजाद सिपाही)। होरलाडीह स्थित विजडम स्कूल ऑफ लर्निंग स्कूल में बाबा साहब डॉ भीम राव आंबेडकर जयंती समारोह मनाया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि सचेतक सत्तारूढ़ दल सह झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह और विशिष्ट अतिथि कोयलांचल पत्रकार संघ के अध्यक्ष सह डिगवाडीह मस्जिद कमिटी के सदस्य मो मुख्तार अहमद उपस्थित हुए। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि पूर्णिमा नीरज सिंह ने बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया। विधायक पूर्णिमा नीरज



सिंह ने कहा कि बाबा साहब के बताए मार्गों पर चलकर ही हम अपने जीवन में आगे बढ़ सकते हैं, इसलिए सभी छात्रों को शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय में आने से यह अहसास हुआ कि मेरे पति

स्व नीरज सिंह आज भी सभी के दिलों में जीवित हैं। उनके हर एक कार्य को पूरा करना मेरी मकसद है। हम किसी को याद उनके कार्यों की वजह से करते हैं। स्कूल के छात्र व छात्राओं ने कई रंगारंग कार्यक्रम किया।

जिला कार्यालय सिंदरी में एक सभा का आयोजन किया गया। इससे पूर्व रोहड़ाबांध, आंबेडकर चौक स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में संविधान व देश खतरे में है। बाबासाहेब द्वारा बनाए गए संविधान को नजर अंदाज कर देश को चलाया जा रहा है। इस मनमानी का जवाब देने के लिए देश के लोगों को

खालसा सिरजन दिवस पर सजा दीवान



कतरास (आजाद सिपाही)। रानीबाजार में गुरुद्वारा साहिब में खालसा सिरजन दिवस पर दीवान सजाया गया। साहब सुखमनी साहिब जी के पाठ के उपरन्त निशान साहिब की सेवा की गई। निशान साहिब का चोला बदला गया। दीवान में एक माह से चल रहे सहज पाठ की समाप्ति के साथ दीवान बोले सो निहाल के जयकारे से गूंज उठा। स्त्री सत्संग जथा द्वारा भी कीर्तन किया गया। श्री गुरुग्रंथ साहिब जी के आगे सरबत के भले के लिए अरदास की गई और गुरुग्रंथ साहिब जी के

हुकमनामे के उपरन्त कड़ाह प्रसाद बांट कर दीवान की समाप्ति की गई। इसके बाद गुरु के लंगर की सेवा हुई जिसमें सारी संगत और सभी धर्मों के लोगों ने सामूहिक रूप से लंगर छका। इस मौके पर दर्शन सिंह, इंदर सिंह, हरबंस लाल, सरदूल सिंह, सोनी सिंह, किरपाल सिंह, बलबीर सिंह, चरण सिंह, हरजीत सिंह स्वर्ण सिंह, बलजीत सिंह, काकू सिंह, गुरदीप सिंह एवं स्त्री सत्संग की गुरुप्रति कौर, रीता अरोरा, कालविंदर कौर, रूपा कौर, स्वेता कौर, बलबीर कौर आदि थे।

सलाह : सीआइएसएफ का अग्नि सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ

अग्नि सुरक्षा को लेकर जागरूकता जरूरी : अनिल कुमार

बोकारो थर्मल (आजाद सिपाही)। सीआइएसएफ बोकारो थर्मल कैम्प में सीआइएसएफ यूनिट की ओर से शुकवार को अग्नि सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। जिसकी शुरुआत शहीद स्थल पर परियोजना प्रधान एनके चौधरी सहित अन्य अधिकारियों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इससे पूर्व उप समादेश वीरन कुमार सेठी ने परियोजना प्रधान को पुष्पगुच्छ देकर एवं बैच लगाकर स्वागत किया। साथ ही शाहिद वीर जवानों की आत्मा की शांति के लिए मौन रखा। निरीक्षक अग्नि अनिल कुमार ने मुंबई पोर्ट पर हुए भीषण अग्निकांड के बारे में बताया। सुरक्षा के प्रति शपथ भी दिलायी। इस दौरान सभी उपस्थित अतिथियों द्वारा बैनर और पंपलेट



अग्नि के प्रति सुरक्षा को लेकर शपथ लेते पदाधिकारी।

का विमोचन किया गया। साथ ही अग्निशमन गाइडों को हरी झंडी दिखाकर अग्नि सुरक्षा सप्ताह का औपचारिक शुरुआत की गयी। वहीं, प्रोजेक्ट हेड ने सीआइएसएफ के कार्यों की सराहना की। कहा कि हमें खुशी होती है जब कोई कशता है कि सीआइएसएफ अग्निशमन की गाड़ी ने आकर आग को बुझाकर

जान माल का नुकसान होने से बचा लिया। परियोजना में भी आए दिन नए मशीनों का उपयोग होता है जिससे आग लगाने की संभावना बनी रहती है। उन्होंने कहा कि न तो हम आग में चल सकते हैं और न आग के बिना हम चल सकते हैं। उप समादेश ने कहा कि परियोजना के साथ ही आस पास के क्षेत्रों में भी आग

मैथन डैम पर लगे बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की एक और प्रतिमा: केंद्रीय मंत्री



आजाद सिपाही संवाददाता

चिरकुंडा। डीवीसी के रामनुज भवन के समीप शुकवार को डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले, धनबाद के सांसद पीएन सिंह, निरसा विधायक अपर्णा सेनुगुणा, डीवीसी के चेयरमैन रामनरेश सिंह एवं जोन मथाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। डीवीसी के सदस्य सचिव जॉन मथाई ने स्वागत भाषण दिया। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री को डीवीसी चेयरमैन कैप हाउस में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद वे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि मैथन में काफी सुधार आया है। मैं यहां आकर बेहद खुश हूँ। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब महिलाओं को न्याय दिलाने की बात करते थे। झारखंड में चार डैम डीवीसी द्वारा बनाया गया है। डैम बनाने की जरूरत इसलिए है कि बांध में हमेशा पानी रहेगा, जिससे सिंचाई खेती बिजली पैजल एवं अन्य जरूरतों को पूरा किया जा सके। यह सब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर का ही सुझाव था। उन्होंने डीवीसी से आग्रह किया कि एक और प्रतिमा मैथन डैम पर लगाया जाए, ताकि पर्यटक भी भीमराव आंबेडकर साहब की प्रतिमा को देखें। उन्होंने कहा कि क्या गरीब हो या क्या अमीर हो सभी को एक मत देने

का अधिकार है। उन्होंने की सोच आज सारे देश के वासी मान रहे हैं। देश सबसे बड़ा है। हमने 2019 में मैथन का दौरा किया था उस समय प्रतिमा लगाने की बात कही थी। आज प्रतिमा का उद्घाटन किया और आने वाले समय में भी मैथन में डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण करूंगा। वहीं धनबाद के सांसद पीएन सिंह ने कहा कि डॉक्टर भीमराव आंबेडकर का सम्मान जो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार में मिला है इससे पहले कि किसी सरकारों ने दलितों को इतना बड़ा सम्मान नहीं दिया होगा। पूरे देश के दलितों की आवाज श्री रामदास आठवले है। डीवीसी के चेयरमैन रामनरेश सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि अठवाले जी का हम सम्मान करते हैं। 2024 के 14 अप्रैल को मैथन डैम में डॉ भीमराव आंबेडकर साहब की प्रतिमा लगेगी। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम के लिए मैं तमाम डीवीसी के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देता हूँ। इस तरह के सफल कार्यक्रम करने के लिए परियोजना प्रमुख अंजनी कुमार दूबे, अनुप पुरकायस्ता, राकेश केसरी, संजय प्रियदर्शी, रवि कुमार, सुजीत सिन्हा, अभिजीत चक्रवर्ती, कौशल कुमार, अर्चना शाह आदि मौजूद थे। मंच का संचालन अरविंद कुमार ने किया।

बोकारो थर्मल भाजपा कार्यालय में मनायी गयी डॉ भीम राव आंबेडकर की 132वीं जयंती



बोकारो थर्मल (आजाद सिपाही)। भाजपा बेरमो प्रखंड कमेटी की ओर से शुकवार को पार्टी कार्यालय में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ भीम राव आंबेडकर की 132वीं जयंती मनायी गयी। भाजपा बोकारो जिलाध्यक्ष भरत यादव ने कहा कि बाबा साहेब संविधान निर्माता के साथ ही भारतीय समाज के समता मूलक और समरसता के प्रतीक थे। उन्होंने समाज में व्याप्त छुआछूत, ऊंच-नीच और समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोने के लिए कई उत्कृष्ट विचार और नई सोच के साथ पढ़ लिख कर समाज में रूढ़िवादी गतिविधियों को विराम लगाने की प्रेरणा दी। सारा राष्ट्र आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट करता है कि स्वाधीनता के इतने वर्षों के बाद आंबेडकर जी की जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित कर उनके प्रति अपना सद्भावना का प्रकटीकरण किया। इसके अलावे डीवीसी जुबली पार्क में स्थापित बाबा साहब और लोहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। इस मौके पर भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्षा गिरजा देवी, भाजपा बेरमो प्रखण्ड अध्यक्ष संजय प्रसाद, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष ईश्वर चंद्र प्रजापति, वरिय नेता प्राण गोपाल सेन, श्रवण सिंह, भैरव महतो, रामपुकार राम, सूरज नायक, शिवकुमार राम, सीमा देवी कुमार प्रमोद, दिलीप राम, हरदीप राम, रंजीत राम, धर्मेन्द्र, संजय मिश्रा, कुंती देवी, प्रदीप नायक आदि थे।

आंबेडकर बुद्ध सोसाइटी ऑफ इंडिया की ओर से निकाली गयी धम्म यात्रा



बोकारो थर्मल (आजाद सिपाही)। आंबेडकर बुद्ध सोसाइटी ऑफ इंडिया के तत्वाधान में इस वर्ष भी शुकवार को बोकारो थर्मल इकाई की ओर से धम्म यात्रा रैली निकाली गई। जिसका प्रारंभ बाबा साहेब के चित्र के समक्ष बुद्ध वंदना, निश्रारण, पंचशील के साथ किया गया। धम्म यात्रा में शामिल भाजपा के जिलाध्यक्ष भरत यादव, निप सदस्य शहजादी बानो, मुखिया कविता कुमारी, धम्म यात्रा अंबेडकर शामिल हुए। धम्म यात्रा अंबेडकर नगर बोकारो थर्मल से रेलवे

स्टेशन रोड, हॉस्पिटल मोड़, झारखंड चौक से होते हुए कथारा के लिए निकली। आंबेडकर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए एक दूसरे को बधाई दी गई। धम्म यात्रा की अध्यक्षता राम प्रसाद राम और संचालन विजय राम ने किया। इस मौके पर मालती देवी, कुंती देवी, शांति देवी, मनोहर देवी, बालक कुमार, राजू गोविंद, रामलाल पासवान, गोविंद कुमार, रविंद्र कुमार, राजू कुमार, किशोर प्रजापति, रमेश राम, भुनेश्वर, छोटू राम, बबलू राम, गुरु राम और विक्की आदि उपस्थित थे।

आंबेडकर के आदर्शों पर चलने का संकल्प लें : डॉ लक्ष्मण प्रसाद सिंह



आजाद सिपाही संवाददाता
राजधनवार। राजधनवार के बरजो स्थित भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को भाजपाईयों ने संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती धूमधाम से मनायी गयी। इस दौरान भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह सहित भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने आंबेडकर की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बताये मार्गों और आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान श्री प्रसाद ने आंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ आंबेडकर का पूरा जीवन संघर्षपूर्ण रहा। उन्होंने जीवन भर कमजोर और पिछड़े वर्गों के अधिकार के लिए संघर्ष करता रहा। घोड़थंभा, डोरंडा और मनसाडीह मंडल में भी भाजपाईयों ने आंबेडकर की जयंती उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर मनाया। इस मौके पर श्रीकांत, विनोद शर्मा, उषेंद्र सिंह, पवन सिंह नंदलाल साव, बसंत साव, पवन सिंह, अमित कुमार, मंदू कुमार पंकज, भोपाल सिंह, शिव नारायण राय, अंकित राज, विजय अग्रवाल, मनोज कुमार, अमर सिंह, अरविंद सिंह, प्रकाश दास, श्रवण कुमार, दयानंद सिंह, सुधीर तिवारी, बबलू सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन ने स्वच्छता के बारे में जागरूक किया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन की सदस्या ने संगठन की अध्यक्ष दिव्या शर्मा के नेतृत्व में समाज के आर्थिक रूप से वंचित और कमजोर वर्गों की महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक जागरूकता अभियान 'एक दस्तक' का शुभारंभ किया। श्रीमती शर्मा और पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन के सदस्यों ने एक कार्यक्रम आयोजित किया और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन वितरित किये।

बोर्ड परीक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित

Women's Bhandardhar CLASS-X 2023

विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आवश्यक पुस्तकें।

मिलते-जुलते नामवाली नकली पुस्तकों से सावधान!

VERMA PRESS PVT. LTD. 4, P. O. STREET, THARPAKHNA, RANCHI (JHARKHAND) - 834 001

FREE FRANCHISE Alpha Institute of Computer Education

Just call us : 9835502908

Franchise Benefit

- All Computer courses
- Vocational courses
- Authorization letter
- Authorisation Certificate
- Web Login ID & Password
- Study Material Support
- Branded Name
- PDF Certificate in 24 Hrs
- Hard Copy Certificate & Mark sheet
- Students Placement Support
- Marketing Support
- Online & Offline Certificate Verification
- Yearly Career Guidance - Seminar in your city
- Paper and Media Support

अविराम ए ग्रुप ऑफ इंस्टीटयुशंस (मान्यता एवं संबद्धता रांची वि.वि., जैक, एनपीयू, पी.सी.आई., JSPC, JNRC एवं चिह्नित NCTE भुवनेश्वर उड़ीसा)

टिको, कुडू, लोहरदगा एवं हुटाप, चंदवा, लातेहार (झारखंड)

इंटर एवं स्नातक पास बालक/बालिकाएं शीघ्र प्रवेश लें एवं B.ed के अतिरिक्त अन्य में सीधे प्रवेश हेतु आवेदन करें

झारखंड स्टेट एवं रांची विश्वविद्यालय में टॉपर देने वाले संस्थान में प्रवेश का सुनहरा अवसर

ए.एन.एम. डी.फार्मसी बी.एड. बी.एस.सी. नर्सिंग डी.एल.एड.
A.N.M D.Pharmacy B.Ed. B.Sc Nursing D.El.Ed

FACILITIES : SCHOLARSHIP ♦ BUS & HOSTEL FACILITY ♦ CAMPUS PLACEMENT ♦ WELL EQUIPPED LAB ♦ ONLINE ADMISSION PAYMENT & ONLINE CLASS FACILITY

URGENT REQUIREMENT

- B. Sc Nursing/ M.Sc Nursing Pass
- D. Pharma/ B. Pharmacy Pass
- B.Ed & M.Ed in (Science/Literature Social Science)

Send resume within 3 days in 7782054270

www.aviramcollege.com, www.aviramcollegeofnursing.com, bedcollege2011@gmail.com, aviram.gv@gmail.com

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने डॉ आंबेडकर की 132वीं जयंती मनायी डॉ बीआर आंबेडकर पर अध्ययन और शोध करें : प्रो चक्रधर त्रिपाठी

आजाद सिपाही संवाददाता
भुवनेश्वर। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सुनाबेड़ा में अपने परिसर में भारत रत्न बाबा साहब डॉ बीआर आंबेडकर की 132वीं जयंती मनायी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डॉ आंबेडकर सेंटर ऑफ एसीलेंस (डीएसीई) की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने डॉ बीआर आंबेडकर को दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने छात्रों को भारतीय संविधान के जनक डॉ बीआर आंबेडकर के योगदान पर अधिक से अधिक अध्ययन और शोध करने की सलाह दी। डॉ बीके श्रीनिवास, समन्वयक, डीएसीई ने डॉ आंबेडकर के योगदान के विभिन्न



क्षेत्रों पर विस्तार से प्रकाश डाला और आधुनिक भारत के दृष्टिकोण के प्रति युवाओं की जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। हिमांशु शेखर महापात्र, विजिटिंग प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, विश्वविद्यालय ने डॉ आंबेडकर के कार्यों और आधुनिक भारत के प्रति इसकी समकालीन प्रसंगिकता पर प्रकाश डाला। विशेष रूप से उन्होंने 'जाति का विनाश' नामक पुस्तक पर जोर दिया। समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ कपिल खेमूद ने बताया कि भारत में जाति व्यवस्था और छुआछूत व्यवस्था अभी भी प्रचलित है, लेकिन अब इसका दृष्टिकोण बदल रहा है। विश्वविद्यालय के डीएसीई-शिक्षक डॉ चित्रसेन पसायत ने आंबेडकर की भूमिका पर प्रकाश डाला। सीयूओ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी डॉ सौरभ गुप्ता ने पत्रकारिता और मीडिया के दृष्टिकोण से डॉ आंबेडकर की भूमिका पर प्रकाश

किट में वाइ-20 परामर्श कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता
भुवनेश्वर। किट डीयू में जी-20 के तत्वावधान में शुक्रवार को दो दिवसीय वाइ-20 परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एक समृद्ध और शक्तिपूर्ण समाज के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को स्पष्ट करने के लिए युनिटा भर के नीति निर्माता एकत्रित हुए। कार्यक्रम में किट और किस के संस्थापक प्रो अच्युत सामंत ने आगत सभी का स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक विवरण, और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री, भारत सरकार, अश्विनी कुमार चौबे ने किया, जिन्होंने 21वीं सदी में युवा पीढ़ी को स्वामी विवेकानंद के जीवन और सिद्धांतों का अनुकरण करने और भारत को अग्रणी बनाने का प्रयास करने के लिए अपने सारगर्भित वक्तव्य द्वारा प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर चौबे ने जोर देते हुए कहा कि युवा इस महान राष्ट्र का भविष्य निर्माता हैं। विकास प्रक्रिया में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है जो समाज में शांति और समृद्धि लाएगी। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में कीट और उसके छात्रों की उपलब्धियों की भी सराहना की।



वाइ-20 परामर्श भारत और जी20 देशों के छात्रों, शिक्षकों, व्यापारिक नेताओं और आध्यात्मिक नेताओं को एक साथ लाया। मंच ने युवाओं को वैश्विक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, विचारों का आदान-प्रदान करने, नवीन विचारों को साझा करने, चर्चाओं और वातावरण में शामिल होने और आम सहमति तक पहुंचने के लिए एक मंच प्रदान किया। इस विचार-विमर्श के परिणाम वर्ष के अंत में जी-20 बैठक में प्रस्तुत किए जायेंगे, जिसकी अध्यक्षता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। कार्यक्रम में ओड़िशा सरकार के गृह, खेल और युवा सेवा राज्य मंत्री तुषारकांत बेहरा ने वाइ-20 परामर्श के विषय वसुधैव कुटुंबकम के महत्व पर प्रकाश डाला और युवाओं के आने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं को एक साथ मिलकर सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देने की दिशा में काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। बेहरा ने ओड़िशा के युवाओं की खेल उपलब्धियों की भी सराहना की। यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स की केंद्रीय सचिव मीता राजीवलोचन ने कहा कि जैसा कि युवा विभिन्न तरीकों से भविष्य को आकार दे रहे हैं। केवल 25 वर्षों में किट को देश के शीर्ष संस्थानों में से एक में बदलने के लिए प्रो सामंत का कार्य सराहनीय है। वाइ-20 के इस कार्यक्रम में वीरेंद्र शर्मा, यूके से संसद सदस्य, रॉबर्ट पिटेंजर, उत्तरी कैरोलिना के पूर्व अमेरिकी कांग्रेसी; डॉ निक्लोस सैमुअल गुगर, स्विट्जरलैंड से संसद सदस्य; रिनी केज, तीन बार के ग्रैमी पुरस्कार विजेता और कीट डीयू की कुलपति प्रो सखिता सामंत ने अपना अपना वक्तव्य दिया था। कार्यक्रम के अंत में कीट डीयू के प्रो-वाइस चांसलर सरनजीत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने हरिश्चंद्र सहायता राशि बढ़ायी

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। गरीबों को अपनों के अंतिम संस्कार में कोई परेशानी न हो, इसके लिए राज्य सरकार ने हरिश्चंद्र सहायता योजना शुरू की है। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 2000 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 3000 रुपये के आवास के लिए सहायता प्रदान की गयी। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निर्देशानुसार ग्रामीण क्षेत्रों के लिए दो हजार से बढ़ा कर तीन हजार रुपये तथा शहरी एवं पुरी स्वर्णद्वार के लिए तीन हजार से बढ़ा कर चार हजार रुपये कर दी गयी है। इसलिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक रिवाल्विंग फंड खोला गया है और 15 हजार रुपये की राशि प्रदान की गयी है। गौरतलब है कि हरिश्चंद्र सहायता खर्च मुख्यमंत्री राहत कोष से की जा रही है। प्रदेश की सभी पंचायतों के रिवाल्विंग फंड के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 10 करोड़ 19 लाख 10 हजार रुपये मंजूरी किये गये हैं। इस नयी प्रक्रिया के तदनुसार की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत विस्तार अधिकारी या किसी अन्य ब्लॉक स्तरीय विस्तार अधिकारी को दी गयी है। बर्धित सहायता के लिए योजना के सॉफ्टवेयर में आवश्यक परिवर्तन किये गये हैं और जिलेवार ग्राम पंचायतों की सूची भी तैयार की गयी है।

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन 'बाबा साहब आंबेडकर यात्रा' को झंडी दिखा कर किया गया रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता
भुवनेश्वर/नयी दिल्ली। भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन 'बाबा साहब आंबेडकर यात्रा' को शुक्रवार को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार तथा संस्कृति, पर्यटन और पूर्वांगर विकास मंत्री किशन रेड्डी ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधरी, आइआरसीटीसी की मुख्य प्रबंध निदेशक, रजनी हसीजा, दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डिंपी



गर्ग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ वीरेंद्र कुमार ने इस रेलगाड़ी को चलाने के लिए रेलवे की सराहना की, जबकि श्री रेड्डी ने कहा कि इस रेलगाड़ी से पर्यटक आठ दिनों में बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर के जीवन और खुद को विरासत से जुड़े स्थलों का भ्रमण करेंगे। यह रेलगाड़ी भारत की 'देखो अपना देश' अवधारणा को पूरा करती है। इस टूरिस्ट ट्रेन में 600 पर्यटक यात्रा कर सकेंगे। इसमें प्रति व्यक्ति क्रियायें की शुरुआत 21,650 रुपये से है।

ओड़िशा के सोआ में आयोजित कार्यशाला में आठ देशों के जी20 प्रतिनिधि भाग लेंगे



भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के बारे में अधिक जानने के लिए आठ देशों के प्रतिनिधि ओड़िशा आये हैं। सोआ विश्वविद्यालय द्वारा हवाई अड्डे पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया। प्रतिनिधिमंडल सोआ में इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए एक कार्यशाला में भाग लेगा। सोआ ने राज्य की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए 14 से 16 अप्रैल तक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया है। प्रतिनिधिमंडल पुरी और कोणार्क सहित भुवनेश्वर और आसपास के क्षेत्रों का दौरा करेगा। वे राज्य के विभिन्न सांस्कृतिक संस्थानों, अनुसंधान संस्थानों और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मिलेंगे और चर्चा करेंगे। उनका राज्यपाल और मुख्यमंत्री से मिलने का भी कार्यक्रम है।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री ने उड़िया नववर्ष की बधाई दी

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पवित्र पणा संक्रांति के अवसर पर राज्य के लोगों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भी सभी को पवित्र महाविषुव संक्रांति और ओड़िया नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने एक टवीट में कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की अपार कृपा से यह नव वर्ष सभी के लिए नये अवसर और संभावनाएं लेकर आये। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पवित्र महाविषुव संक्रांति और उड़िया नववर्ष की हार्दिक बधाई दी।

study MBBS in ABROAD

RUSSIA GEORGIA POLAND EGYPT KAZHAKASTAN UZBEKISTAN

Get Direct Admission in Top Government Medical Universities of ABROAD.

Call Now! +91-7903149721 www.universityfly.com

Ranjeet Singh Kundan Singh Proprietor

SHIVA TRADERS T: +91-9934189684 76673 84788

Shiva Complex, Rajender Chowk, Giridih Bypass Road Koderma (JH) 825410 Mob: 9939563560, 7004525571, Email id: shivacement1212@gmail.com

बोरिंग के लिए संपर्क करें

जल ही जीवन

993106883 9113754813

रांची के अंदर कहीं भी अच्छे रेट में

Contact for : Deep Boring, 405" 6" 8" Dia All Motor & Pump Fitting, Building Material

Helpline No.: 7061812125 www.janyafertilityclinic.com

जान्या हॉस्पिटल

निःसंतान दंपतियों, स्त्रियों एवं गर्भवती महिलाओं और बच्चों के इलाज हेतु संपर्क करें!

DOCTORS
डा० मणि मुक्ता आई.सी.एफ एवं डी रोग विशेषज्ञ

निःसंतानता इलाज (IVF) पर भारी छूट

ऐश्वर्या रेसिडेंसी, ए-1, अरगोड़ा-कटहल मोड़ रोड, नियर सिलार्यस फेस, दीपाटोली, पुन्दाग, रांची, झारखण्ड-834004

S M TOY & School Furniture

Old Bank Colony, RMCH Road Sadhu Maidan Shop Add.: Industrial Area Kokar, Ranchi-834001 (Jharkhand)

Everything From A to Z For School, Playground, Playschool Park, Playazone, Malls, Backyard, Recreation Zone Society & Anganwadis

PROP. SANTOSH KUMAR 7503729696, 9205624569

रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता

ज्योतिष ग्रह रत्न केन्द्र

ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • हस्त रेखा • अंक शास्त्र

पंडित शशि कान्त मिश्रा

पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, अपोजिट-भूतपूर्व बारगेन बाजार, रांची फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761